दैनिक
मिशन नेशनल न्यूज़
Mission of Truth
TITLE CODE.: UTTHIN05386
हिन्दी अखबार
प्रसारित स्थान : उत्तराखण्ड ● प्रयागराज ● मथुरा ● बिजनौर ● सहारनपुर ● मुजफ्फरनगर ● मेरठ ● गाजियाबाद
वेबसाईट पढ़े : www.missionnationalnews.com
वर्ष-2 अंक-355 पृष्ठ-8 : मूल्य : 1 रुपये
हरिद्वार, रविवार , 22 दिसंबर 2024

संक्षिप्त समाचार

जीन थैरिपी जीएसटी मुक्त, नमकीन पॉपकॉर्न पर पांच प्रतिशत लेकिन मीठे पर 18 प्रतिशज जीएसटी

जैसलमेर

माल एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की 55वीं बैठक में जीवन रक्षक जीन थैरिपी को जीएसटी के दायरे से बाहर करने के साथ कई अहम निर्णय लिये गये हैं।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में हुयी इस बैठक में राज्यों के वित्त मंत्री या इस मंत्रालय का काम देख रहे मंत्रियों ने भाग लिया। बैठक के बाद श्रीमती सीतारमण ने संवाददात सम्मेलन में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा के प्रीमियम पर जीएसटी को कम करने पर कोई निर्णय नहीं लिया गया है क्योंकि इसके लिए गठित मंत्रियों के समूह को अभी और समय चाहिए। इस पर अभी रेगुलेटर आईआरडीएआई की टिप्पएणी नहीं मिली है। उसके बाद समूह इसे फाइनल करेगा और उसके बाद ही यह जीएसटी काउंसिल में आएगा। उन्होंने कहा कि यह केवल रेट को कम करने का सवाल नहीं है, इस पर डिटेल से विचार करने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि फोर्टिफाइड राइस केरनल्स पर जीएसटी 18 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी करने का फैसला किया गया है। फोर्टिफाइड राइस का जनवितरण प्रणाली में वितरण किया जाता है। काली मिर्च और किशमिश पर स्थिति साफ कर दी गई है। अगर कोई किसान इसे बेचता है तो इस पर कोई टैक्स नहीं लगेगा। 2000 रुपये से कम पेमेंट करने वाले पेमेंट एग्रीगेटर्स को जीएसटी से छूट देने का फैसला दिया है। उन्होंने कहा कि बैंकों या वित्तीय संस्थाओं से लिये गये ऋण को समय पर नहीं चुकाने के कारण लगने वाले जुमार्ने पर अब नहीं लगेगा। इस पर जीएसटी नहीं लेने का निर्णय लिया गया है।

अंबेडकर के सम्मान में पूरे देश में निकालेंगे मार्च : कांग्रेस

नयी दिल्ली

कांग्रेस ने कहा है कि पार्टी डॉ भीमराव अंबेडकर का अपमान सहन नहीं करेगी और उनके सम्मान में पूरे देश में सम्मान मार्च निकाला जाएगा।

कांग्रेस संचार विभाग की प्रमुख पवन खेड़ा में शनिवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि गृहमंत्री अमित शाह ने संसद में संविधान निमार्ता का अपमान किया है और कांग्रेस यह सहन नहीं करेगी इसलिए उनके सम्मान में पूरे देश में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

उन्होंने कहा ह्लगृहमंत्री अमित शाह द्वारा बाबा साहेब अंबेडकर जी का अपमान किए जाने के विरोध में कांग्रेस पार्टी 22 तथा 23 दिसंबर को देश के 150 शहरों में प्रेस कॉन्फ्रेंस करेगी। इन प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए हम श्री शाह के इस्तीफे मांग करेंगे। साथ ही बाबा साहेब और संविधान पर किए जा रहे हमलों के खिलाफ आवाज बुलंद करेंगे। कांग्रेस कार्यकर्ता 24 दिसंबर को सभी जिला मुख्यालयों में 'बाबा साहेब अंबेडकर सम्मान यात्रा' निकालेंगे, उनकी प्रतिमाओं पर माल्यार्पण करेंगे और राष्ट्रपति के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपेंगे।

मास्टर-ब्लास्टर पुष्कर

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

देहरादून। जब भी कानों में ह्यमास्टर-ब्लास्टरइ शब्द सुनाई देता है तो एक ही नाम जहन में कौंध जाता है, सचिन तेंदुलकर। क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन को ह्यमास्टर-ब्लास्टरइ की उपाधि इसलिए दी गई है क्योंकि उन्होंने क्रिकेट के अपने सफर में अपने खिलाफ गेंदबाजी करने वाले किसी भी गेंदबाज को नहीं बख्शा था। उनके बारे में कहा जाता है कि जो भी गेंदबाज उन्हें एक बार जिस तरीके से आउट करता था वह, उन्हें दूसरी बार उस तरीके से आउट नहीं कर पाता था। इसका मुख्य कारण यह रहता था कि सचिन अपनी गल्तियों को दुबारा दोहराते नहीं थे। यहीं कारण है कि वह आज क्रिकेट की दुनिया में एक महान हस्ती हैं, और उन्हें ह्यगॉड ऑफ क्रिकेटइ की संज्ञा भी दी जाती है। ऐसा नहीं है कि ह्यमास्टर-ब्लास्टरइ सिर्फ क्रिकेट की पिच पर ही होते हैं, कुछ तो सियासत की पिच पर भी पाए जाते हैं। ऐसे ही एक ह्रमास्टर-ब्लास्टरह्ल है उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी। पहाड़ी प्रदेश की सियासी पिच भर सीएम धामी ऐसी धुंआधार बल्लेबाजी कर रहे है कि उनके नेतृत्व में भाजपा इतिहास रचते हुए उत्तराखण्ड में लगातार दूसरी बार डबल इंजन की सरकार स्थापित करने में सफल हो पाई। जिस प्रकार से क्रिकेट की पिच बांउसर एक बल्लेबाज को हिला देती है, उसी प्रकार उत्तराखण्ड की सियासी पिच पर भी सीएम धामी को एक बाउंसर बदरीनाथ उपचाव के परिणामों ने दी थी। हालांकि इस परिणाम से सबक लेते हुए उन्होंने केदारनाथ में हुई उपचुनाव में ऐसी बांउसरों को तोड़ ढूंढकर वहां के परिणाम को बदलते हुए भाजपा के पक्ष में कर दिया। सियासी पिच पर राजनीति-रणनीति के बढि़ा स्ट्रोक खेलते हुए जिस प्रकार से सीएम धामी ने अपनी सरकार को मजबूती प्रदान करने का काम किया है, उससे हाईकमान का भरोसा भी उन पर और बढ़ गया है।

उल्लेखनीय है कि केदारनाथ विधानसभा सीट के उपचुनाव में जो भाजपा को जीत मिली है उसने न सिर्फ पार्टी कार्यकताओं में एक नई ऊर्जा का संचार किया है, बल्कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का राजनीतिक कद भी बढ़ाया है। ज्ञात हो कि कुछ समय पूर्व हुए बदरीनाथ विधानसभा उपचुनाव में भाजपा को मिली हार ने चचाओं का बाजार गर्म कर दिया था। कुछ भीतरघातियों ने सरकार के अंदर रहते हुए ही अपनों के खिलाफ षडंत्र रचने भी शुरू कर दिए थे। हालांकि अपनी कुशल राजनीति के दांव पेंचों से सीएम धामी ने ऐसे षडंत्रों को कुचल कर रख दिया और उसका परिणाम केदारनाथ विधानसभा के उपचुनाव में साफ देखने को मिल गया। सरकार और भाजपा संगठन दोनों ने अल्टीमेट टयूनिंग के साथ चुनाव लड़ा और अपने विपक्षियों को चारों खाने चित करते हुए जीत हासिल की। दिवंगत भाजपा विधायक शैलारानी रावत के निधन के कारण खाली हुई विधानसभा की केदारनाथ सीट को अपने पास बनाए रखने की भाजपा के सामने चुनौती थी। जिसको मद्देनजर रखते हुए सरकार और संगठन ने ग्राउंड लेवल पर आक्रमकता से काम करते हुए पार्टी की जीत को सुनिश्चित करने की दिशा में अपने कदम आगे बढ़ाए थे। एक मास्टर स्ट्रोक के तहत सीएम पुष्कर सिंह धामी ने केदारनाथ क्षेत्र में जाकर यह एलान किया कि जब तक उपचुनाव नहीं हो जाता, तब तक वह यहां के विधायक के रूप में काम करेंगे। उनका एक मास्टर स्ट्रोक यह भी था कि केदारनाथ क्षेत्र के लिए सात सौ करोड़ की योजनाओं की घोषणाएं होने के साथ ही इनके शासनादेश भी जारी हुए। उपचुनाव में भाजपा के प्रचार अभियान की अगुआई भी मुख्यमंत्री धामी स्वयं कर रहे थे। उन्होंने क्षेत्र में पांच जनसभाओं व दो बाइक रैलियों में हिस्सा लिया।

राम मंदिर देखने वाले पर्यटकों की संख्या बढ़ी, ताजमहल को पीछे छोड़ा

एक लाख से ज्यादा भक्त रोज करते हैं रामलला के दर्शन

अयोध्या

अयोध्या में 22 जनवरी 2024 को रामलला मंदिर में विराजमान हुए थे। राम मंदिर निर्माण के बाद अयोध्या में पर्यटन बड़ा है। आंकड़ों के मुताबिक हर दिन एक लाख से ज्यादा भक्त दर्शन करने आते हैं। शायद यही वजह है कि 9 महीने में देश के कई महत्वपूर्ण स्थलों जिसमें आगरा यानी ताज महल भी शामिल है। पर्यटन विभाग के आंकड़ों की के मुताबिक जनवरी से सितंबर 2024 के बीच यूपी में 47.61 करोड़ पर्यटक आए हैं। इनमें 47.47 करोड़ घरेलू और 14.11 लाख विदेशी पर्यटकों हैं। पर्यटन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक सर्वाधिक 1.84.026 विदेशी पर्यटक ने वाराणसी का भ्रमण किया है जबकि 13,55,87,370 घरेलू पर्यटक जिसमें श्रद्धालु भी शामिल हैं अयोध्या आए। वहीं आगरा में 9 महीने के अंदर 12.51 करोड़ लोग आए जिसमें 11.59 करोड़ भारतीय और 9.5 लाख विदेशी पर्यटक थे।

पर्यटन विभाग के डिप्टी डायरेक्टर ने बताया कि अयोध्या पर्यटन के क्षेत्र में तेजी से विकास कर रहा है। यहां पर्यटकों की संख्या बढ़ रही है। अयोध्या में प्रतिदिन एक लाख पर्यटक आ रहे हैं, लेकिन खास पर्व और त्योहार पर यह संख्या लाखों में पहुंच जाती है।

दिल्ली उत्तराखंड निवास में आमजन के भी ठहरने की सुविधा संबंधी आदेश जारी, इतना शुल्क देय होगा

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने निर्देश दिए थे कि नई दिल्ली में नवनिर्मित उत्तराखंड निवास आम जन के लिए भी उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाए, जिसके बाद इस संबंध में आदेश जारी कर दिए गए हैं।

शासन ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश के बाद नई दिल्ली स्थित उत्तराखंड निवास में आमजन के ठहरने की सुविधा देने संबंधी आदेश जारी कर दिया है। अब यहां राज्यवासी भी ठहर सकेंगे।

हालांकि, अभी आमजन के लिए दरें निर्धारित नहीं की गई हैं।जब तक दरें तय नहीं होतीं तब तक सिंगल कक्ष के लिए 2500 रुपये, डीलक्स कक्ष के लिए 3750 रुपये और डबल कक्ष के लिए 5000 रुपये शुल्क देय होगा।

चंद्रचूड़ ने मानवाधिकार आयोग प्रमुख बनाए जाने की खबरों को बताया अफवाह

नई दिल्ली

भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का प्रमुख बनाए जाने जैसी तमाम खबरों पर विराम लगाते हुए कहा कि इस संबंध में अभी कोई बातचीत नहीं हुई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस तरह की बातें कोरी अफवाह हैं और उनसे इस संबंध में किसी से कोई बातचीत नहीं हुई है।

पूर्व चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ ने एक बातचीत के दौरान कहा, कि यह तो सिर्फ अफवाहें ही हैं। मुझसे इस बारे में किसी ने संपर्क ही नहीं किया है। फिलहाल मैं एक आम नागरिक के तौर पर अपनी सेवानिवृत्ति का आनंद उठा रहा हूं।

कैसे फैली अफवाह

दरअसल राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष का पद 1 जून 2024 से रिक्त पड़ा हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति ने हाल ही में नए प्रमुख के चयन पर विचार करने के लिए बैठक की थी। इस कमेटी में गृह मंत्री अमित शाह, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी शामिल हुए थे। इस बैठक के बाद से कयास लगाए जा रहे थे कि किसे मानवाधिकार आयोग का अध्यक्ष बनाया जा सकता है, ऐसे में पूर्व चीफ जस्टिस चंदचूड़ का नाम भी सामने आया, जिसका अब उन्होंने खंडन भी कर दिया है।

चंदचूड़ का नाम इसलिए भी चलाया गया क्योंकि इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस अरुण कुमार मिश्रा एनएचआरसी के अध्यक्ष थे। उनके कार्यकाल के समाप्त होने के बाद से ही यह पद खाली पड़ा है। बहरहाल चंद्रचूड़ के खंडन किए जाने से यह स्पष्ट हो गया है कि मानवाधिकार आयोग प्रमुख के चयन को लेकर अभी स्पष्टता नहीं है।

जम्मू-कश्मीर में चिल्लई कलां शुरू, पारा -8.5 डिग्री पहुंचा

मध्य प्रदेश में अभी राहत, चार दिन बाद बढ़ेगी ठंड, राजस्थान में छाया घना कोहरा

श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में शनिवार से चिल्लई कलां की शुरूआत हुई। चिल्लई फारसी शब्द है, हिंदी में इसका मतलब बहुत ज्यादा ठंड होता है। अब अगले 40 दिन यहां बहुत ज्यादा बर्फबारी होगी। श्रीनगर में तापमान -8.5 डिग्री पहुंच गया है। यहां 133 साल में तीसरी बार पारा इतने नीचे गिरा है। मौसम विभाग ने बताया कि मध्य प्रदेश में पिछले तीन दिनों से ठंड से राहत है। यह दौर 4 दिन तक जारी रहेगा, लेकिन उसके बाद तापमान में गिरावट आएगी। वहीं, राजस्थान में शनिवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। सीकर में विजिबिलिटी 50 मीटर दर्ज की गई। यूपी में भी कई जिलों में शीतलहर का अलर्ट जारी किया है। राज्य में सबसे ज्यादा सर्दी कानपुर में पड़ रही है। यहां तापमान 5.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। 22 दिसंबर से 2 राज्यों में सीवियर कोल्डवेव का अलर्ट जारी किया गया है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हरियाणा, राजस्थान में कोल्ड वेव का अलर्ट। 23 दिसंबर को 3 राज्यों में बारिश हो सकती है, वहीं पंजाब-हरियाणा में घना कोहरा देखने को मिलेगा। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान में शीतलहर चलेगी। आंध्र प्रदेश, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में बारिश हो सकती है। 55 किमी की रफ्तार से हवा चलेगी। हिमाचल के लाहौल स्पीति, चंबा और कुल्लू की ऊंची चोटियों पर हल्की बर्फबारी हो सकती है। 7 जिलों शीतलहर चलेगी। 24 दिसंबर को पंजाब, हरियाणा, असम, मेघालय में घना कोहरा छाया रहेगा। हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख में कोल्ड वेव का अलर्ट। दक्षिण के राज्य तमिलनाडु, केरल में हल्की बारिश हो सकती है।

शाह के खिलाफ बसपा का देशव्यापी आंदोलन -अमित शाह के बयान से नाराज मायावती ने 24 दिसंबर से देशव्यापी आंदोलन की कर दी घोषणा

नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के संसद में दिए गए बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर पर बयान से उठा सियासी तूफान रुकने का नाम नहीं ले रहा है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के बाद अब इस मुद्दे पर बीएसपी प्रमुख और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए 24 दिसंबर से देशव्यापी आंदोलन करने की घोषणा कर दी है।

बसपा प्रमुख मायावती ने केंद्रीय मंत्री अमित शाह के बयान को आंबेडकर का अपमान बताते हुए इसे दलित, वंचित और उपेक्षित वर्गों के आत्म-सम्मान पर हमला करार दिया है। मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट करते हुए लिखा, बाबा साहेब डॉ. आंबेडकर भगवान की तरह परम पूजनीय हैं। उनका अनादर देश के दलितों और वंचितों के दिलों को गहरी चोट पहुँचाता है। अमित शाह द्वारा संसद में कहे गए शब्द पूरे देश को आहत कर रहे हैं। बीएसपी ने बयान वापस लेने और पश्चाताप की माँग की है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसी के साथ उन्होंने कहा कि बीएसपी 24 दिसंबर को इस मुद्दे पर देशव्यापी आंदोलन करेगी।

इसके तहत देशभर के जिला मुख्यालयों पर पूर्णतः शान्तिपूर्ण धरना-प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। यह प्रदर्शन बाबा साहेब के सम्मान और उनके योगदान की रक्षा के लिए होगा।

आखिर क्या है विवाद का कारण

दरअसल केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने संसद में अपने बयान में डॉ. आंबेडकर का उल्लेख करते हुए एक टिप्पणी की थी, जिसे बीएसपी ने अपमानजनक और आहत करने वाला बताया है। इस बयान के बाद कांग्रेस समेत कई राजनीतिक दलों ने इसे लेकर विरोध दर्ज कराया है।

संपादकीय

असंसदीय कृत्य

जब देश की नई संसद में सदन की कार्रवाई शुरू हुई, तो विश्वास था कि देश में संसदीय मयार्दाओं को नई गरिमा मिलेगी। लेकिन हाल ही में संपन्न शीतकालीन सत्र के दौरान हुए हंगामे ने देश के आम जनमानस को गहरे तक निराश ही किया। सड़क पर सांसदों की धक्का-मुक्की और आरोप-प्रत्यारोपों ने उन मतदाताओं को ठेस पहुंचायी, जिन्होंने उन्हें अपने प्रतिनिधि के रूप में चुना था। आरोप-प्रत्यारोप तो सांसदों की पुरानी परंपरा रही है, लेकिन इस बार तो बात धक्का-मुक्की से लेकर थाने तक जा पहुंची। ऐसे में सवाल किया जा सकता है कि जब हमारे माननीयों का व्यवहार ऐसा होगा तो आम आदमी से क्या उम्मीद की जा सकती है। दरअसल, महाराष्ट्र चुनाव में करारी शिकस्त से पस्त विपक्ष सरकार पर हमले के लिये मुद्दे की तलाश में था। उन्हें मुद्दा खुद गृहमंत्री अमित शाह ने दे दिया। संविधान के रचयिताओं में अग्रणी डॉ. बी.आर. अंबेडकर के बारे में शाह की टिप्पणी के बाद एनडीए और इंडिया गठबंधन के सांसदों के बीच आरोप-प्रत्यारोपों का सिलसिला कालांतर टकराव में बदल गया। निश्चय ही राजनेताओं के व्यवहार से देश-विदेश में कोई अच्छा संदेश नहीं गया। जिन सांसदों के हाथ में कानून की गरिमा बनाये रखने की जिम्मेदारी है, वे हाथ ही धक्का-मुक्की में लिप्त होने लगे। जो जनप्रतिनिधियों की कथनी-करनी के अंतर को ही दशार्ता है। सही मायनों में यह मतदाताओं का भी अपमान है जिन्होंने उन्हें चुनकर संसद में भेजा है। निस्संदेह, जब अमित शाह ने कहा कि डॉ. अंबेडकर का नाम जपना एक फैशन बन गया तो ऐसा करके उन्होंने अपना कद कदापि नहीं बढ़ाया। इस तरह उन्होंने संविधान के जनक को एक अनावश्यक विवाद में घसीट लिया। महाराष्ट्र चुनाव में पराजय के बाद खस्ता हाल में आये विपक्ष को इस विवाद ने राजग पर एकजुट हो हमलावर होने का अवसर दे दिया है। विपक्ष ने भी मुद्दे को तुरंत लपक लिया। लेकिन इस तरह के विवाद को असंसदीय ही कहा जाएगा।

कालांतर में स्थिति यहां तक पहुंच गई कि शाह की बयानबाजी के बचाव में खुद प्रधानमंत्री को उतरना पड़ा। उन्होंने कांग्रेस पर राजनीतिक स्वार्थ के लिये दुर्भावनापूर्ण झूठ का सहारा लेने का आरोप भी लगाया। निस्संदेह, डॉ. बी.आर. अंबेडकर एक ऐसे राष्ट्रीय प्रतीक हैं, जिनकी गरिमा को कोई भी राजनीतिक पार्टी नजरअंदाज नहीं कर सकती। यह स्पष्ट ही है कि राजनीतिक लाभ के लिए दोनों प्रमुख पार्टियां उनकी विरासत पर कब्जा करने को यह खेल खेल रही हैं। उनका अमर्यादित व्यवहार इस स्थिति को और गंभीर बना देता है। विडंबना ही है कि ये स्थितियां तब पैदा हुई जब देश संविधान को अपनाने के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में राष्ट्रव्यापी समारोह आयोजित कर रहा था। दुनिया को यह बताने का प्रयास कर रहा था कि लोकतंत्र, न्याय और समानता की कसौटी पर यह जीवंत दस्तावेज खरा उतरा है। निस्संदेह, इस बात में दो राय नहीं हो सकती कि संविधान के आदर्शों को बनाये रखना सभी सांसदों की सामूहिक जिम्मेदारी है। उनकी प्राथमिकता सामाजिक न्याय और समावेशी विकास को सुनिश्चित करने की दिशा में काम करने की होनी चाहिए, न कि आरोप-प्रत्यारोप व टकराव की सीमाएं लांघने की। वे कम से कम लोकतंत्र के मंदिर की मयार्दा और गरिमा को बनाये रखने का दायित्व तो निभा ही सकते हैं। यदि ऐसा न हुआ तो लोकतंत्र का यह मंदिर प्रहसन के रंगमंच में बदल जाएगा। साथ ही भारत के विश्व गुरु व विश्व बंधुत्व के नारे में भी कोई तार्किकता नहीं रह जाएगी। आज देश बेरोजगारी, महंगाई तथा विकास से जुड़ी तमाम समस्याओं से जूझ रहा है। ऐसे विवादों से तो मुख्य मुद्दों से ध्यान भटकता है। जबकि जनप्रतिनिधियों की प्राथमिकता जन कल्याण के रास्ते तलाशना होना चाहिए। निश्चित रूप से देश-दुनिया में इस विशालतम लोकतंत्र की कारगुजारियों का अच्छा संदेश तो कदापि नहीं जाएगा। हमारे जनप्रतिनिधियों को सोचना चाहिए कि जनता के करों के पैसे से चलने वाले सदन ने शीतकालीन सत्र में क्या हासिल किया।

(चिंतन-मनन)

अहं भाव न पालें

एक बार देशभक्त वीर शिवाजी सज्जनगढ़ का किला बनवा रहे थे। हजारों मजदूर वहां काम करते थे। एक दिन शिवाजी किले को देखने गए। यत्र की तरह उनको काम करते देखकर शिवाजी के मन में अहं आ गया। वे सोचने लगे- इन सबकी आजीविका मेरे द्वारा चलती है! इतने में उनके गुरू समर्थ रामदास स्वामी वहां पहुंच गए। विशिष्ट ज्ञान के द्वारा उन्होंने शिवाजी के मन की बात जान ली और निश्चय किया कि इसको प्रतिबोध देना जरूरी हो गया है। वास्तव में गुरू वे ही होते हैं, जो समय पर अनुयायियों को गिरने से बचा लें। स्वामी रामदास ने वहां काम करने वालों को आदेश दिया कि एक बड़ी चट्टान को तोड़ो। उनकी आज्ञा से चट्टान तोड़ी गई। भीतर पानी और मेढक निकले। रामदास ने पूछा - शिवाजी ! इनका लालन-पालन कौन करता है?

शिवाजी - इनका पोषण प्रकृति से होता है, करता कोई नहीं।

रामदासजी- और इन मजदूरों का जीवन किससे चलता है?

शिवाजी ने गुरू के पैर पकड़ लिए और बोले- गुरुदेव! आपने मुझे बचा लिया। आपने मेरे अभिमान को चूर-चूर कर सही रास्ता दिखा दिया। ये सब अपने पुरूषार्थ से जीते हैं। मेरा अहं झूठा था, मैं किसका पालन कर सकता हूं?

संसद की गरिमा का दांव पर लगना चिन्ताजनक

–ललित गर्ग–

संविधान-निमार्ता भीमराव आंबेडकर को लेकर भारतीय संसद में जो दृश्य पिछले कुछ दिनों में देखने को मिले हैं, वे न केवल शर्मसार करने वाले है बल्कि संसदीय गरिमा को धुंधलाने वाले हैं। अंबेडकर को लेकर भाजपा और कांग्रेस आमने-सामने हैं। दोनों पक्षों ने गुरुवार को संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान हाथापाई भी हुई जिसमें भाजपा सांसद प्रताप सारंगी और मुकेश राजपूत घायल हो गए। लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला ने सांसदों को चेतावनी देते हुए कहा कि सभी को नियमों का पालन करना पड़ेगा। संसद की मयार्दा और गरिमा सुनिश्चित करना सबकी जिम्मेदारी है। भारतीय संसद के प्रांगण में जिस तरह की अशोभनीय एवं त्रासद स्थिति का उत्पन्न हुई है, वे हर लिहाज से दुखद, विडम्बनापूर्ण और निंदनीय है। आरोप-प्रत्यारोप की वजह से परिवेश ऐसा बन गया है, मानो सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच शुद्ध शत्रुता, द्वेष, नफरत की स्थितियां उग्रतर हो गई हो। और तो और, धक्का-मुक्की, दुर्व्यवहार जैसे आरोपों को लेकर पुलिस में मामला दर्ज होना वास्तव में दुर्भाग्यपूर्ण है। इन दुखद एवं अशालीन स्थितियों का उपचार न किया गया, तो संसद में काफी कुछ अप्रिय एवं अशोभनीय होने की आशंकाएं बलशाली होगी।

कहना न होगा कि देश की संसद लोकतंत्र के वैचारिक शिखर और देश की संप्रभुता को रेखांकित करने वाला शिखर संस्थान है। इसलिए इसकी गरिमा बनाए रखना सभी सांसदों का मूल कर्तव्य बन जाता है। इसके लिए जनप्रतिनिधियों से यह अपेक्षा होती है कि वे संसद की गरिमा को भंग न करे, अपना आचरण शुद्ध, शालीन एवं व्यवस्थित रखेंगे और व्यर्थ की बयानबाजी, धक्का-मुक्की, दुर्व्यवहार की जगह सार्थक बहस की संभावनाओं को उजागर करें। भारत की परंपरा कहती है कि वह सभा, सभा नहीं, जिसमें शालीनता एवं मयार्दा न हो। वह संसद संसद नहीं, जो लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा न करें। वह धर्म, धर्म नहीं, जिसमें सत्य न हो। वह सत्य, सत्य नहीं जो कपटपूर्ण हो। आज संसद में सांसदों का व्यवहार शर्म की पराकाष्ठा तक पहुंच गया है। पूरे देश की जनता ने बड़ा भरोसा जताते हुए अपने प्रतिनिधियों को चुनकर लोकसभा में भेजा है, ताकि वे सांसद के रूप में देश की भलाई के लिए नीति एवं नियम बनाएं, उसे लागू कराएं और जनजीवन को सुरक्षित तथा खुशहाल बनाते हुए देश का विकास करें। संसद की सदस्यता की शपथ लेते समय सांसदगण इन सब बातों को ध्यान में रखने की कसम भी खाते हैं, लेकिन उनकी कसम बेबुनियाद ही होते हुए संसद की मयार्दाओं को आहत कर रही है। बीते कुछ समय से धरना-प्रदर्शन के साथ सड़क पर राजनीतिक दमखम दिखाने वाले नजारे संसद के दोनों सदनों में भी दिखने लगे हैं। भौतिक रूप से छीना-झपटी और हाथापाई की नौबत भी दिखती रही है और विचाराधीन विषय से दूर एक-दूसरे को हीन साबित करना ही उद्देश्य बन गया है।

संसद का मूल्यवान समय बर्बाद हो रहा है, यह इससे स्पष्ट होता है कि पहली लोकसभा में हर साल 135 दिन बैठकें आयोजित हुई थीं। आज स्थिति कितनी नाजुक हो गई है, इसका अनुमान इसी से लगा सकते हैं कि पिछली लोकसभा में हर साल औसतन 55 दिन ही बैठकें आयोजित हुईं। नयी लोकसभा की स्थिति तो और भी दुखद एवं दयनीय है। संसद में काम न होना, बार-बार संसदीय अवरोध होना तो त्रासद है ही, लेकिन धक्का-मुक्की तक नौबत पहुंचना ज्यादा चिन्ताजनक है। कोई भी दल हो, किसी भी दल के सांसद हो, उन्हें यह संदेश देने की जरूरत है कि संसद ऐसे किसी संघर्ष का अखाड़ा नहीं है। संसद और संविधान, दोनों ही सांसदों से उच्च गरिमा एवं मयार्दाओं की अपेक्षा करते हैं। संसद देश की आवाजों और दलीलों का मंच है, यह किसी भी प्रकार की शारीरिक जोर-आजमाइश का मंच न बने, इसी में देश की भलाई है, लोकतंत्र की अक्षुण्णता है। सार्थक और उत्पादक संवाद के लिए हर सांसद को संविधान का ज्ञान, संसदीय परंपराओं की जानकारी एवं उनके प्रति प्रतिबद्धता भी होनी चाहिए। दुर्भाग्य से बहुत कम सांसद ही इस ओर ध्यान देते हैं। मुखर प्रवक्ता के रूप में विपक्ष के कई सांसद अक्सर बेलगाम, फूहड एवं स्तरहीन आरोप-प्रत्यारोप दर्ज कराने में जुट जाते हैं। आधी-अधूरी सूचनाओं या गलत जानकारी के साथ विपक्ष के नेता सरकारी पक्ष को आरोपित करने में जुट जाते हैं, बयानों तो तोड़मरोड़ का प्रस्तुत करते हैं।

निश्चित ही विपक्ष लगातार अपनी जिम्मेदारी से विमुख होता दिख रहा है। वह सरकार को घेरने और आरोपित करने के उद्देश्य से संसद के कार्य में अक्सर व्यवधान डालता है। लगता है विपक्ष का मकसद यही हो गया है कि संसद की कार्यवाही सुचारु रूप से न चल सके और सरकार की विफलता दर्ज हो। इस तरह की विपक्ष की बौखलाहट का बड़ा कारण भाजपा की लगातार चमत्कारी जीत है।

सांसदों को समग्रता में सोचना चाहिए कि अगर संसद जोर आजमाइश एवं हिंसा का अखाड़ा होकर बात एफआईआर की राजनीति तक बढ़ेगी, तो संसद का संचालन जटिल से जटिलतर होता जायेगा। संसद में तनाव कोई नई बात नहीं है।

तनाव और तल्खी का इतिहास रहा है, पर बहुत कम अवसर ऐसे आए हैं, जब शारीरिक बल का दुरुपयोग देखा गया है। संसद भवन के प्रांगण में ही नहीं, बल्कि देश में कहीं भी सांसदों को ऐसे आमने-सामने नहीं आना चाहिए, जैसे गुरुवार को देश ने देखा है। संसद भवन के प्रांगण में जगह-जगह कैमरे लगे हैं। उन कैमरों की मदद से कम से कम यह तो सुनिश्चित करना चाहिए कि दोषी कौन है? दुध का दुध एवं पानी का पानी हो और सच सामने आये। सच की जीत हो और झूठ नैस्तनाबूद हो। अगर किसी सांसद के सिर में चोट लगी है, तो यह वैसे भी गंभीर मसला है। भाजपा सांसद सारंगी ने यही बताया है कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की वजह से एक व्यक्ति उनसे टकराया और वह गिर गए। ऐसा ही आरोप कांग्रेस ने भी लगाया है। पक्ष-विपक्ष में आरोप-प्रत्यारोप लगेंगे, पर ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि सच सामने आए। यदि सच सामने न आए, तो कम से कम सभी सांसद ऐसी स्थिति फिर न बनने दें, इसके लिये संकल्पित हो।

शीतकालीन सत्र में आंबेडकर के नाम पर संसद के भीतर-बाहर जो कुछ हो रहा है, उससे यह स्पष्ट होता है कि कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दल संसद की गरिमा से जानबूझकर खिलवाड़ करने पर तूले है। यह मानना अविश्वसनीय है कि यह धक्का-मुक्की अनजाने में हुई। राहुल गांधी आक्रामक ढंग से एक महिला सांसद के निकट जाकर उन्हें असहज करना तो बहुत ही शर्मनाक एवं कहीं अधिक फूहड़ है। पता नहीं किसके आरोपों में कितनी सच्चाई है, लेकिन इसमें संदेह नहीं कि उक्त घटना संसद ही नहीं, देश को भी शर्मिंदा करने वाली है। राजनीति का स्तर इतना नहीं गिरना चाहिए कि वह मयार्दा से विहीन दिखने लगे।

ऐसी राजनीति केवल धिक्कार की पात्र होती है। संसद की मयार्दा को तार-तार करने वाली ऐसी घटनाएं सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच बढ़ती कटुता का ही नतीजा है, जो देश के हित में नहीं है। पक्ष-विपक्ष के बीच बढ़ती शत्रुता न केवल भारतीय राजनीति बल्कि लोकतंत्र के लिए भी खतरनाक हैं। दोनों पक्षों के बीच शत्रु भाव कम होने के कोई आसार इसलिए नहीं दिख रहे हैं, क्योंकि ऐसे मुद्दे सतह पर लाए जा रहे हैं, जिनका कोई औचित्य नहीं बनता और जिनका मकसद लोगों को बरगलाना एवं गुमराह करना है। बीते कुछ समय से यह जो भय का भूत खड़ा किया जा रहा है कि संविधान खतरे में है, वह राजनीति के छिछले स्तर का ही परिचायक है। कोई बताये तो संविधान कब और कैसे खतरे में आ गया। संसद में ऐसे विषयों को लेकर सार्थक एवं सौहार्दपूर्ण संवाद हो, वाद-विवाद की जगह कटुता न ले, विमर्श और विचार की गंभीरता से ही लोकतंत्र की शक्ति बढ़ेगी।

दलगत पसंद और नापसंद स्वाभाविक है, किंतु उससे ऊपर उठकर रचनात्मक भूमिका निभाने का साहस भी जरूरी है।

तो क्या इंडिया गठबंधन के सियासी चक्रव्यूह में घिर जाएंगे नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी?

–कमलेश पांडेय–

देश-दुनिया में हर रोज एक महाभारत शुरू होता है जो महज 18 दिन नहीं बल्कि महीनों झ सालों चलता रहता है। दरअसल यह एक राजसी प्रवृत्ति है जो यत्र-तत्र-सर्वत्र अपनी इहलीला प्रदर्शित करती रहती है। यह कभी किसी के अंतरतम में चलता है तो कभी सियासी जगत में, कभी आर्थिक जगत के कापोर्रेट्स वार के रूप में तो कभी सामाजिक क्षेत्र के जातीय अंतर्द्वंद्व युद्ध में, कभी सांस्कृतिक क्षेत्र के साम्प्रदायिक रणभूमि में तो कभी अंतर्राष्ट्रीय फलक पर खुले जंग के रूप में। कमोबेश हर जगह युद्ध जीतने वालों को गुटबंदी की जरूरत पड़ती है और इस हेतु प्रायोजित चक्रव्यूह हेतु किसी न किसी अभिमन्यु की तलाश रहती है। यूँ तो भारतीय राजनीति में एक नहीं, अनेक अभिमन्यु हैं लेकिन यहां पर कांग्रेस युवराज और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के समक्ष समुपस्थित राजनीतिक परिस्थितियों की बात करना अधिक प्रासंगिक है क्योंकि 10 वर्षों के अथक परिश्रम के बाद लोकसभा चुनाव 2024 में अपने कुशल नेतृत्व का डंका पिटवाने वाले राहुल गांधी आखिर हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव जैसी जीती हुई बाजी हारकर अपने ही गठबंधन सहयोगियों के आंखों की किरकिरी कैसे बन गए? क्या सिर्फ इसलिए कि भाजपा के रणनीतिकारों के इशारे पर कांग्रेस के नेतृत्व वाला इंडिया गठबंधन है जिसमें अधिकांश सूबाई क्षत्रप शामिल हैं? क्योंकि यही वह सफल गठबंधन है जिसने उसकी सारी सियासी हेकड़ी लोकसभा चुनाव 2024 में तोड़ कर रख दी और उसके सामने गठबंधन की मजबूरी खड़ी कर दी। वहीं, यूपी में उसके मोदी-योगी जैसे नेतृत्व के माथे पर चिंता की शिकन पैदा कर दी। या फिर शरद पवार और लालू प्रसाद की राजनीतिक महत्वाकांक्षा पूरी नहीं हुई, जबकि ममता बनर्जी अपने मिशन में कामयाब रहीं। उन्होंने भाजपा और कांग्रेस दोनों को उनकी सियासी हद में रखा। या फिर समाजवादी पार्टी के मुखिया और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इशारे पर कांग्रेस युवराज राहुल गांधी नहीं थिरक रहे हैं, इसलिए क्योंकि शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे कांग्रेस के स्वाभाविक सहयोगी नहीं हैं। हालिया महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में उन्हें कमतर बताने में कांग्रेस सफल रही और महाराष्ट्र के सियासी नक्शे से मिट गई। इसी प्रकार कांग्रेस ने दिल्ली से पंजाब तक आप को सिमटने पर विवश कर दिया और अखिलेश की सपा को भी यह जतला दिया कि सिर्फ यूपी में रहें, मध्यप्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र में उसके कंधे पर सवार होकर आगे बढ़ने का स्वप्न न पालें। यही वजह है कि ये सभी नेता कांग्रेस से नाराज हैं और तीसरे मोर्चे को पुनः खाद पानी देने की सियासी चाल चल रहे हैं। यही वजह है कि हरियाणा और महाराष्ट्र चुनाव के बाद इंडिया गठबंधन में नेतृत्व के सवाल पर कांग्रेस नेतृत्व को नीचा दिखाने की तिकड़म जो तिकड़मी सियासत शुरू हुई और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद जैसे नेताओं ने भी कांग्रेस से पाला बदलने में हड़बड़ाहट दिखाई, उससे तो यही महसूस हुआ कि एनसीपी प्रमुख शरद पवार जैसे सियासी धुरंधर अपने मकसद में कामयाब हो गए। तभी तो कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव व लोकसभा सदस्य प्रियंका गांधी जैसे राष्ट्रीय चेहरों के रहते हुए भी इंडिया गठबंधन के नए अध्यक्ष के रूप में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेत्री और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का नाम उछाला गया। कहना न होगा कि शरद पवार और ममता बनर्जी ने अपने अपने राज्यों में काँग्रेस को ही तोड़कर अपनी सियासत चमकाई है। हालांकि, उनके मिशन को राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद का साथ मिलने से शरद पवार का पलड़ा भारी हो गया। कहने का मतलब यह कि महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और बिहार ने यह संकेत दे दिया कि उसे मजबूत कांग्रेस की नहीं, कमजोर कांग्रेस की जरूरत है, जो उनके इशारे पर थिरकती रहे। इधर, दिल्ली और उत्तरप्रदेश में भी कांग्रेस को कमजोर ठहराने के लिए दिल्ली में एक मंच पर अखिलेश और केजरीवाल ने हाथ मिला लिया है। इससे पहले राजद नेता व बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव व पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का साथ केजरीवाल ले ही चुके हैं। बिहार के मुख्यमंत्री व जदयू नेता नीतीश कुमार भले ही पुनः एनडीए गठबंधन में हैं, लेकिन केजरीवाल से उनके मधुर सम्बन्ध जगजाहिर हैं। एनडीए विरोधी इंडिया गठबंधन खड़ा करने में नीतीश के योगदान को नहीं भुला सकता है और यदि उन्हें गठबंधन का संयोजक बना दिया गया होता तो आज वो इंडिया गठबंधन में ही होते। वहीं, ईवीएम के दुरूपयोग के सवाल पर जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री व नेशनल कांफ्रेंस नेता उमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस को जो आईना दिखाया है, उससे साफ है कि अपने अपने तरीके से इंडिया गठबंधन के सहयोगी राहुल गांधी को घेर रहे हैं ताकि कांग्रेस दबाव में रहे और यदि कभी पुनः तीसरे मोर्चा बने तो उनके लिये भी रास्ता खुला रहे। क्योंकि भाजपा नीत एनडीए के विरोध में बना इंडिया गठबंधन या संभावित तीसरा मोर्चा कोई मजबूत गठबंधन नहीं है क्योंकि यूपी बिहार में यह महागठबंधन तो महाराष्ट्र में महाराष्ट्र विकास अघाड़ी बन जाता है। इससे पहले इसे यूपीए समझा जाता था। इसलिए मेरा मानना है कि भाजपा या कांग्रेस विरोधी सियासत के लिए तीसरा मोर्चा सबसे उपयुक्त नाम है, जो पूरे देश में एक समझा जाता है।

अपने देखा होगा कि आम आदमी पार्टी ने हाल ही में दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम में ह्यमहिला अदालतह्व का आयोजन किया जिसमें एसपी प्रमुख अखिलेश यादव ने अरविंद केजरीवाल के साथ मंच साझा करते हुए बीजेपी पर जमकर हमला बोला और आप को बिना शर्त समर्थन देते हुए कहा कि यहां पर सपा अपना कोई उमीदवार खड़ा नहीं करेगी। ऐसा कहकर उन्होंने कांग्रेस पर मनोवैज्ञानिक दबाव बढ़ा दिया कि यदि वह भाजपा विरोधी और अल्पसंख्यक समर्थक राजनीति करती है तो दिल्ली में सभी सीटों पर अपना उमीदवार नहीं दे। वहीं, अखिलेश यादव ने यह भी कहा कि जब दिल्ली में घटनाएं हो रही है, तो कल्पना कीजिए पूरे देश मे क्या हो रहा होगा क्योंकि अरविंद केजरीवाल ने सिर्फ इतना कहा था कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बस एक बार कह दें कि उनसे दिल्ली की कानून व्यवस्था नहीं संभल रही है।

श्री सद्गुरु कबीर स्नान घाट हरिद्वार के जगह का हुआ आवंटन

3 करोड़ 24 लाख 94हजार की लागत से बनेगा श्री सद्गुरु कबीर स्नान घाट

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार - हरिद्वार स्थित एक नंबर घाट के बगल में सिंचाई विभाग उत्तराखंड स-रकार के द्वारा सद्गुरु कबीर स्नान घाट के निर्माण हेतु जगह आवंटन किया गया इस अवसर पर सद्गुरु कबीर मिशन ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष आचार्य महंत श्री ब्रजेश मुनि महाराज जी एंव कबीर भगवान धाम आश्रम भूपत वाला के स्वामी जितावानंदजी, अहमदाबाद गुजरात कबीर आश्रम के मंहत श्री ऋषिकेश दास जी मंहत श्री प्रकाश नंद जी के सानिध्य में सद्गुरु कबीर स्नान घाट की जगह पर बोर्ड लगाए गए। इस अवसर पर आचार्य महंत श्री ब्रजेश मुनि महाराज जी ने कहा कि सद्गुरु कबीर साहिब ने संसार के मानवों को जातिवाद, छूआछूत, अन्धविश्वास, - आडम्बर से मुक्त रहने और अहिंसा, सत्य, क्षमा, धैर्य, संतोष,

विवेक, - वैराग्य, विवादरहित जीवन जीवन का मार्ग दिखाया और मानवधर्म का महान उपदेश दिया है। आज भी कबीरपंथी विश्व समुदाय द्वारा सद्गुरू कबीर साहेब के जीवनदर्शन का प्रचार प्रसार किया जा रहा है। हरिद्वार में भी कबीर भगवान धाम आश्रम भूपतवाला कबीरपंथ के धर्म का अलख जगा रहा है। जहाँ विश्व भर के कबीरपंथी संत गृहस्थों का आगमन होता है, इसलिए यहाँ पर विभिन्न धर्म संप्रदाय के नाम से घाट है लेकिन सद्गुरु कबीर साहेब के नाम पर घाट नहीं होने के कारण हरिद्वार नगरी में सद्गुरु कबीर साहेब के नाम से भी घाट होना चाहिए। इसका पहल करते हुए सद्गुरु कबीर मिशन ट्रस्ट ने भारत देश के माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री श्री राजभुषण चौधरी, केंद्रीय वन पर्यावरण मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव जी, उत्तराखंड सरकार के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामीको पत्र व्यवहार किया था। प्रधानमंत्री की ओर से इस पत्र को विशेष ध्यान देते हुए उत्त-राखंड सचिव महोदय से व हरिद्वार नगर निगम अपर नगर आयुक्त अमरजीत कौर के पास कार्यवाही हेतु भेजा गया था। कार्यवाही करते हुए सिंचाई विभाग ह-रद्वार के कार्यपालक अभियंता विजय कुमार सिंह एवं जूनियर इंजीनियर एस के तोमर द्वारा सदगुरु कबीर मिशन ट्रस्ट को सदगुरु कबीर घाट संदर्भ में 3 करोड़ 24लाख 92हजार रुपए का प्रकलन समर्पित किया गया और कबीर घाट के निर्माण हेतु जगह की भी सुनिश्चित की गई। उनके साथ में कबीर भगवान धाम आश्रम के प्रबंधक स्वामी श्री प्रकाशनंद कबीर मिशन ट्रस्ट के सचिव कथावाचक युवाचार्य संत श्री विवेक मुनि, मंहत श्री राजकुमार दासजी, मंहत श्रद्धानंद जी संत हरीनंदन दास एंव कबीर पंथी अन्य संतों ने भी सहभाग लिया

कांग्रेस कार्यकताओं ने भाजपा सरकार का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार/ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा काशी की तर्ज पर कॉरिडोर बनाने की घोषणा के विरोध में कांग्रेस कार्यकताओं ने भाजपा सरकार का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया। इस अवसर पर महानगर कांग्रेस अध्यक्ष अमन गर्ग और स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी प्रकोष्ठ अध्यक्ष मुरली मनोहर ने कहा कि कॉरिडोर योजना से हरिद्वार की पौराणिकता नष्ट हो जाएगी जिसे हरिद्वार का व्यापारी व स्थानीय नागरिक किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे। युवा नेता वरुण बालियान और वरिष्ठ नेता मनोज सैनी ने कहा कि जब तक सरकार द्वारा कॉरिडोर योजना की अधिकारिक वापसी की घोषणा नहीं की जाती तब तक कांग्रेस जन शांत नहीं बैठेंगे। निवर्तमान पार्षद राजीव भार्गव और महिला

कांग्रेस अध्यक्ष लता जोशी ने कहा कि सरकार व्यापारियों व स्थानीय नागरिकों को गुमराह कर रही है और अगर कॉरिडोर को लेकर स्थिति जल्द स्पष्ट नहीं की गयी तो सरकार को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। महानगर कांग्रेस महासचिव तरूण व्यास और व्यापारी नेता अरूण राघव ने कहा कि हरिद्वार की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए हरिद्वार में कारिडोर की कोई आवश्यकता नहीं है। ब्लॉक अध्यक्ष विकास चंद्रा और विमल शर्मा साटू ने कहा कि भाजपा सरकार स्थानीय नागरिकों व व्यापारियों को उजाड़ना चाहती हैं जिसे कांग्रेस जन कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे।

विरोध प्रदर्शन में मुख्य रूप से पूर्व अध्यक्ष अंजू द्विवेदी, मनोज जाटव, सिमरन, सरिता, रिषभ वशिष्ठ, एश्वर्य पंत, अजय गिरी, विकास गुप्ता, कोमल कौर, अनुज गर्ग , समर्थ अग्रवाल, मोहित गर्ग, निवर्तमान पार्षद इसरार सलमानी, रियाज अंसारी, इरफान अंसारी, मुकर्रम अंसारी, विक्की कोरी, दीपक पाण्डेय, गौरव गोस्वामी, नितिन कश्यप, अमीर कुरैशी आदि कांग्रेस जन व व्यापारी शामिल थे।

सभी 13 अखाड़े के बीच बनाया जाए समन्वय: बाबा हठयोगी

हरिद्वार। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के पूर्व प्रवक्ता बाबा हठयोगी ने वर्तमान में संचालित दोनों अखाड़ा परिषद के अध्यक्षों को नोटिस भेज कर सभी तेरह अखाड़े के मध्य समन्वय बनाने की मांग की है। श्रवणनाथ नगर स्थित रामानंद आश्रम में प्रेस के माध्यम से बाबा हठयोगी ने कहा कि वर्तमान में अखाड़ा परिषद दो फाड़ हो रखी है। दोनों अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्रीमंहत रवींद्र पुरी (महानिवार्णी) एवं श्रीमहंत रवींद्र पुरी (निरंजनी) को एकजुट होकर प्रयागराज महाकुंभ को सफल बनाने के लिए सभी तेरह अखाड़ो की बैठक बुलाकर विधिवत रूप से चुनाव कराकर नई अखाड़ा परिषद का गठन करना चाहिए। जिससे कि शासन प्रशासन से समन्वय बनाकर सभी संतो को कुंभ मेले के दौरान सुविधा प्राप्त हो सके और कुंभ मेला से सकुशल संपन्न हो। उन्होंने नोटिस के माध्यम से दोनों अध्यक्षों को पंद्रह दिन के भीतर करवाई का आग्रह किया है और बताया है कि यदि दोनों संतों की तरफ से कोई संतोषजनक कार्रवाई नहीं की जाती है तो वह न्यायालय के माध्यम से कानूनी कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से प्रयागराज में प्रशासन के साथ बैठक के दौरान संतों के बीच आपस में विवाद हुआ उसे संपूर्ण समाज को एक नकारात्मक संदेश गया है। संतों की छवि भी लगातार धूमिल हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रतिष्ठा और पद के लालच में कुछ संत अपना उल्लू सीधा कर रहे हैं। स्वयंभू अध्यक्ष और महामंत्री बनकर समाज में भ्रम फैला रहे हैं। कहां की विगत हरिद्वार कुंभ में सरकार की ओर से सभी अखाड़ों को एक-एक करोड़ रुपए की धनराशि प्रदान की गई थी। वर्तमान में भी कुछ संतो द्वारा योगी सरकार से रुपयों की मांग की जा रही है जो कि सरासर गलत है। अखाड़े की धार्मिक संपत्ति पर बड़े-बड़े होटल एवं कमर्शियल फ्लैट्स बनाकर करोड़ों रुपए में बेचे जा रहे हैं। धर्म के प्रचार प्रसार एवं उत्थान में लगाए जाने वाले पैसे संत निजी रूप से प्रयोग कर रहे हैं। बाबा हठयोगी महाराज ने कहा कि संतों में बिखराव के कारण वैष्णव अखाड़ा परिषद, तथा सन्यासी संतों की दो अखाड़ा परिषद अलग-अलग रूप से कार्य कर रही है। सर्वसम्मति से नई अखाड़ा परिषद का गठन होना चाहिए।

जनपद स्तरीय मासिक N-CORD की बैठक जिला कार्यालय सभागार में आयोजित की गयी

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार, जिलाधिकारी कर्मेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय मासिक N-CORD की बैठक जिला कार्यालय सभागार में आयोजित की गयी क

जिलाधिकारी द्वारा युवा पीढ़ी में बढ़ रहे नशे के प्रकोप को प्रभावी रूप से विराम लगाने हेतु सम्बन्धित विभागों को निर्देश निर्गत करते हुये सभी सम्बन्धित विभागों को आपसी समन्वय स्थापित कर नशे के विरूद्ध नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी महोदय ने निर्देश दिये कि फैक मेडिसिन (नकली दवाईयों) तथा तस्करी से सम्बन्धित सूचना मिलने पर तत्काल ऐसे गैंगों के विरूद्ध कडी कार्यवाही करते हुये, बन्द पड़ी फार्मा कम्पनियों का भी समय-समय पर औचक निरीक्षण किया जाये, मेडिकल स्टोर्स पर पैनी नजर रखी जाये तथा समय-समय पर छापेमारी की कार्यवाही की जाये। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि हमारी कार्यवाही केवल मुकदमा दर्ज करने तक ही सीमित न रहे

बल्कि मुकदमों में ठोस पैरवी भी की जाये, जिससे लिए सिस्टम बनाया जाये । जिलाधिकारी ने जनपद में संचालित नशा मुक्ति केन्द्रों पर छापेमारी हेतु पुलिस, राजस्व तथा चिकित्सा विभाग की संयुक्त टीम के गठन करने हेतु निर्देशित किया गया है।

साथ ही उन्होंने पंजीकृत नशा मुक्ति केन्द्रों पर छापेमारी करने तथा जनपद में संचालित अवैध नशा मुक्ति केन्द्रों को बन्द कराने के निर्देश दिये हैं साथ ही नशे से पीड़ित युवाओं के उपचार हेतु भगवानपुर में नशा मुक्ति केन्द्र शीघ्रता से खोलने की कार्यवाही करने के निर्देश जिला समाज कल्याण अधिकारी को दिये।

जिलाधिकारी द्वारा बस चालकों विशेषकर रोडवेज के बस कण्डक्टरों तथा परिचालकों से आह्वान किया कि वह किसी भी अजनबी व्यक्ति के सामान को न लेकर आयें तथा कोरियर का कार्य न करें। उन्होंने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभाव एवं विभिन्नि अधिनियमों की जानकारी हेतु साइन बोर्ड लगाने के निर्देश समाज कल्याण तथा शिक्षा विभाग के अधिकारियों को दिये। जिलाधिकारी महोदय द्वारा भांग की खेती हेतु दी गई अनुमति की जानकारी पुलिस विभाग से भी साझा करने हेतु जिला आबकारी अधिकारी को निर्देशित किया है साथ ही प्रतिमाह ठ-उडफ्ळ की बैठक आयोजित कराने के निर्देश दिये। बैठक का संचालन पुलिस उपाधीक्षक (ऑपरेशन) श्री शांतनु पराशर द्वारा किया गया। बैठक में एसपी सीटी श्री पंकज गैरोला, अपर जिलाधिकारी श्री दीपेन्द्र सिंह नेगी, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. श्री आरके सिंह, मुख्य शिक्षाधिकारी श्री के0के0 गुप्ता, एसडीएम श्री जितेन्द्र कुमार, श्री प्रेमलाल, जिला समाज कल्याण अधिकारी श्री टी०आर० मलेठा, औषधि निरीक्षक श्रीमती अनीता भारती आदि उपस्थित रहे।

बहुउद्देशीय शिविर कैंप का आयोजन

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार /रूड़की , प्रशासन गाँव की ओर बहुउदरशीय शिविर कार्यक्रम को विकास खण्ड कार्यालय रूडकी में सुशासन सप्ताह के अन्तर्गत प्रशासन गाँव की और 2024 अभियान के रूप में बहुउद्देशीय शिविर / कैंप का आयोजन किया गया। जिसमे विभिन्न विभागों द्वारा अपने-अपने विभागों से सम्बन्धित योजनाओं का स्टॉल लगाते हुये संचालित योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में ज्वाइन्ट मजिस्ट्रेट रूडकी एवं ब्लॉक प्रमुख सुश्री लुबना राव द्वारा पहुंचकर सम्बोधित किया गया। शिविर में ग्राम्य विकास एवं पंचायतराज विभाग द्वारा भी अपने स्टॉल लगाये गये एवं संचालित योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। स्वास्थ्य विभाग से मनीषा भटनागर, कृषि विभाग से अनिल कुमार, उद्यान विभाग से मासूम अली, उरेडा से श्री सन्दीप कुमार, ग्रामोत्त्थान से श्री प्रिन्स चौहान, एन0आर0एल0एम0 से श्री हेमन्त कुमार पशुपालन विभाग से रेनु वर्मा डेयरी विभाग से डॉ० मुकेश राजपुत इत्यादि द्वारा प्रतिभाग किया

गया। कार्यक्रम में उपस्थित प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के लाभार्थी महरूबा पत्नी मुसर्रलीन, राज्जो पत्नी जमशेद, गुलिस्ता पत्नी फरमान, सोनी पत्नी गुलफाम, ग्राम निवासी मोहम्मदपुर पाण्डा इकराम पुत्र इनाम, अफसाना पत्नी रहमान निवासी पुहाना एवं दीपा पत्नी शिवकुमार निवासी बेल्डी साल्हापुर को उपस्थित उपजिलाधिकारी एवं क्षेत्र प्रमुख द्वारा योजना के अन्तर्गत निर्मित आवासो की प्रतिकात्मक चाबी सौपी गई। कार्यक्रम में नगर निगम रूड़की से 02 शिकायतें, रेलवे विभाग से 01 शिकायत, पंचायतराज विभाग से 03 शिकायतें, ग्राम्य विकास से 01 शिकायत, रूडकी हरिद्वार विकास प्राधिकरण रूडकी से 01 शिकायत, राजस्व विभाग 02 शिकायतें एवं खाद्य आपूर्ति विभाग से 01 शिकायत प्राप्त हुई जिनको निस्तारण हेतु सम्बन्धित विभागो को अग्रसरित किया गया एवं अन्य प्राप्त शिकायतों का उपस्थित खण्ड विकास अधिकारी द्वारा मौके पर ही सम्बन्धित कर्मचारी / अधिकारियों द्वारा निस्तारण कराया गया।

सहायक समाज कल्याण अधिकारी द्वारा पेंशन से सम्बन्धित चमन पुत्र राजाराम एवं बाबुराम पुत्र हरदेव निवासी ग्रान ब्रहमपुर शंकरपुरी की वृद्धावस्था पेंशन एवं सुशील पत्नी स्व० त्रिलोक एवं सुनहरा पत्नी स्व0 कर्मवीर की विधवा पेंशन एवं वीरपाल पुत्र फग्गल सिंह की अनुसूचित जाति शादी अनुदान से सम्बन्धित आवेदन पत्र की औपचारिकताएं पूर्ण कराते हुऐ आवेदन पत्र भरवाये गये एवं अपराह्न 03.00 बजे उपस्थित खण्ड विकास अधिकारी द्वारा उक्त शिविर का समापन करते हुये समस्त आगन्तुक जनप्रतिनिधियों एवं अन्य जनसामान्य का आभार प्रकट किया गया।

मंच का सफल संचालन सहायक खण्ड विकास अधिकारी, श्री मनोज कोठारी एवं सहायक विकास अधिकारी पंचायत श्री बनेश कुमार द्वारा किया गया।

जिलाधिकारी कर्मेंद्र सिंह ने लोगों की जन समस्याओं को सूना

मिशन नेशनल न्यूज / नाथीराम कश्यप

लक्सर, उत्तराखंड,लक्सर क्षेत्र के दांबकी महेश्वरी गांव में सरकार जनता के द्वारा कार्यक्रम में पहुंचे जिलाधिकारी कर्मेंद्र सिंह ने लोगों की जन समस्याओं को सूना, जिलाधिकारी कर्मेंद्र सिंह ने कहा कि उत्तराखंड सरकार के द्वारा सभी ग्रामों में सरकार जनता के द्वारा कार्यक्रम के लिए आदेश किया गया है । उसमें आज महेश्वरी गांव में यह प्रोग्राम किया गया है। आज लोगों की अपनी अपनी समस्याओं को लेकर उनकीं समस्याओं को सूना गया है। उन्होंने कहा कुछ समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया है। बाकी समस्याओं को संबंधित अधिकारियों को आदेशित किया गया है। जिन व्यक्तियों की समस्याएं आई हैं। उनको संबंधित अधिकारी को भेज दिया गया है। और उन्हें आदेशित किया गया है। अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि, लोगों की समस्याओं का मौके पर जाकर निस्तारण करें, जिससे सरकार जनता के द्वारा कार्यक्रम का लाभ मिल सके, दाबकी कला के ग्राम प्रधान के द्वारा अपने गांव में बंजर जमीन की समस्या का मुद्दा भी रखा गया जिसको जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को आदेशित कर दिया गया निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को भेज दिया गया है। जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि सुल्तानपुर में साक्षरता शिविर का आयोजन किया जाएगा, जिसमें चीफ जस्टिस जिला जज एवं सभी विभागों के जिला स्तर के अधिकारी मौजूद रहेंगे, जिससे लोगों की समस्याओं का निस्तारण मौके पर ही किया जा सके।

बीस सूत्रीय कार्यक्रम सुशील कुमार ने विकास भवन सभागार में जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार , बीस सूत्रीय कार्यक्रम के अन्तर्गत निदेशक एवं विभागाध्यक्ष, बीस सूत्रीय कार्यक्रम सुशील कुमार ने विकास भवन सभागार में जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक ली। उन्होंने कहा कि अभी जनपद हरिद्वार डैशबोर्ड में पिछले माह की रिपोर्ट के अनुसार चौथे पायदान पर है जिसे हमे ऊपर ले कर जाना है यह ध्यान रखना होगा, जिन विभागों की बीस सूत्रीय कार्यक्रम की प्रगति डैशबोर्ड पर सी एवं डी आ रहा हैं, आगामी बैठक में दिया गया लक्ष्य दिए गए समय सीमा में पूर्ण करें। परियोजना निदेशक के एन तिवारी ने बताया कि मा0 मुख्यमंत्री जी के दिशा निर्देश पर ही डैशबोर्ड तैयार किया गया है जिस पर किसी भी जनपद की प्रगति रिपोर्ट देख सकते हैं आपकी स्कीम क्या परफार्मेंस कर रही है किस स्टेज पर है वह इसको देखते रहते है और संज्ञान भी लेते रहते हैं किस जनपद का परफार्मेंस कहॉ जा रहा है उसी के हिसाब से वो एक्शन लेते हैं सभी अधिकारियों को निर्देश दिये कि इसी रिपोर्ट के आधार पर आने वाले समय में जिलाधिकरी की तरफ से रिव्यू होगा यदि आप की ऑनलाईन प्रोग्रेस सही होगी जो आपका सूची प्रकाशन का कार्य है उसको 03 दिन के अंदर पूर्ण करें, जो भी प्रोगेस दिखा रहे है और सूची प्रकाशित नहीं हो रही है तो कहीं कुछ कमी है उसको पूर्ण कर लें, निदेशक महोदय ने सभी को सिस्टमेटिक तरीके से कार्य सौपा है यदि कोई परेशानी आ रही है तो ड-ीएसटीओ कार्यालय से मदद ले सकता है, या फिर स्टेट लेबल पर सहायता ले सकता है।

14 दिवसीय भर्ती पूर्व सैन्य प्रशिक्षण का उद्घाटन आज किया गया

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार ,2024 युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल विभाग हरिद्वार द्वारा युवाओ को भर्ती पूर्व सैन्य प्रशिक्षण प्रदान किये जाने के उद्देश्य से विकास खण्ड़-भगवानपुर की ग्राम पंचायत-भलस्वागज में प्रथम आओ-प्रथम पाओ के आधार पर 20 प्रशिक्षाणार्थियों को 14 दिवसीय भर्ती पूर्व सैन्य प्रशिक्षण का उद्घाटन आज दिनांक 21.12.2024 को किया गया। कार्यक्रम में श्री मुकेश कुमार भट्ट-व्यायाम प्रशिक्षक युवा कल्याण विभाग हरिद्वार, श्री चिन्टू ग्राम प्रधान भलस्वागाज, निवेश कुमार सैन्य प्रशिक्षक (भूतपूर्व सैनिक), श्री सतीश पाल प्रधानाचार्य राष्ट्रीय इण्टर कॉलेज भलस्वागाज, श्री सुनील राणा सहायक अध्यापक, श्री महिपाल सिंह अवैतनिक व्यायाम प्रशिक्षक भगवानपुर, श्री केशव सिंह कटारिया पी०आर०डी० हल्का सरदार, श्री रामजी तिवारी पी०आर०डी०, श्री आदेश कुमार पी०आर०डी०. श्री संजय सैनी, आदि उपस्थित रहे।

नशा तस्करों के विरूद्ध हरिद्वार पुलिस की कार्यवाही

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

नशा मुक्त देवभूमि-2025 अभियान के अन्तर्गत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के आदेश के अनुपालन में थाना कनखल पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थो/नशा तस्करो के विरूद्ध लगातार अभियान चलाकर छापेमारी की कार्यवाही की जा रही है। कनखल पुलिस द्वारा इसी अभियान के क्रम में दिनांक 20-12-24 की रात्रि को दौराने चैकिंग श्रीयंत्र पुल के पास से स्कूटी टीवीएस जूपिटर चालक आरोपी सुन्दर सिंह पुत्र स्व0 रतन सिंह विष्ट नि0 ग्राम छाना थाना धारचूला जिला पिथौरागढ को स्कूटी टीवीएस जूपिटर 4578 सहित पकड़ा गया।

आरोपी के कब्जे से 780 ग्राम अवैध डोडा पोस्त की बरामदगी की गयी ।

नाम पता आरोपी

1- सुन्दर विष्ट पुत्र स्व0 रतन सिंह विष्ठ निवासी ग्राम छाना थाना धारचूला पिथौरागढ।

बरामदगी-

(1) 780 ग्राम अवैध डोडा पोस्त

(2) स्कूटी टीवीएस जूपिटर

पुलिस टीम-

1-उ0नि0अमित नौटियाल

2-हे0कां0 रविन्द्र तोमर

3-कां0विशन चौहान

हरिद्वार पुलिस की तत्तपरता से 02 गौवंशीय पशु को कटने से पहले बचाया

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

भगवानपुर पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम सिकरोडा में आम के बाग में ग्राम सिकरोडा के सुभान उर्फ मोना पुत्र अहसान निवासी ग्राम सिकरोडा भगवानपुर अपने साथियो के साथ दो गौवंशो को गौकशी के लिये ग्राम सिकरोडा के आम के बगीचो मे ले जा रहे है। जिस पर पुलिस टीम व हरिद्वार से आयी गोवंश स्कवाड की टीम द्वारा मौके पर आम के बाग मे दबिश दी तो पुलिस को देखकर सुभान उर्फ मोना अपने तीन अज्ञात साथियो के साथ भाग गये जिनकी तलाश जारी है। पुलिस टीम द्वारा दो जीवित गोवंश (01 बैल व एक बछडी) बरामद की गई । बरामदगी के आधार पर फरार आरोपियों के विरूद्व थाना हाजा पर पशु क्रूरता अधि0 पंजीकृत किया गया । बरामदा दोनो गौवंशीय पशु को भारतीय ग्राम विकास एंव गौरक्षार्थ न्यास (गौशाला ग्राम झीवरहेडी)के सुपुर्द किया गया।

ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन 2025 ऑपरेशन को सफल बनाने के लिए आयोजन किया गया

मिशन नेशनल न्यूज / नाथीराम कश्यप

लक्सर,उत्तराखंड, लक्सर पुलिस के द्वारा कृषक इंटर कॉलेज रायसी में एसएससी हरिद्वार द्वारा दिए गए आदेश पर ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन 2025 ऑपरेशन को सफल बनाने के लिए आयोजन किया गया है। लक्सर कोतवाली प्रभारी राजीव रौथाण ने बताया माननीय मुख्यमंत्री उत्तराखंड के द्वारा ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन 2025 एवं नशा मुक्ति शहर गांव में जिंदगी को अभियान एवं ऑपरेशन नई किरण को सफल बनाने के लिए 21 दिसंबर 2024 को कर्षक इंटर कॉलेज रायसी लक्सर में जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, नशा मुक्त गांव शहर राज्य के संबंध में चर्चा की गई, व गांव में नशा करने वाले व्यक्तियों की काउंसलिंग कर उन्हें नशा मुक्त करने व नशा बेचने वाले व्यक्तियों की सूचना देने के संबंध में भी अवगत कराया गया, स्कूल के छात्र-छात्राओं को ऑपरेशन नई किरण के संबंध में नशे से पीड़ित व्यक्तियों की काउंसलिंग एवं उन्हें समाज के मुख्य धारा से जोड़ने के संबंध में अवगत कराया गया, नशा मुक्त शहर, नशा मुक्त गांव, अभियान के अंतर्गत जिंदगी को नशे को न करने की हिदायत दी गई, और उन्हें शपथ दिलाई गई, इसके अतिरिक्त गोरा शक्ति एप्स एवं साइबर क्राइम यातायात सुरक्षा के संबंध में भी बच्चों को विस्तृत जानकारी दी गई।

ऑपरेशन नई किरण ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन 2025 को साकार करने को लेकर थाना प्रभारी पिरान कलियर दिलबर सिंह नेगी द्वारा नेशनल इंटर कॉलेज धनोरी में छात्र-छात्राओं के साथ नशा मुक्ति अभियान कार्यक्रम का आयोजन

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

धनौरी। छात्र छात्राओं को नशे के दुष्प्रभाव संबंध में अवगत कराया गया साथ ही नशे में साइबर अपराध के संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारी दी छात्र-छात्राओं को उत्तराखंड पुलिस ऐप डाउनलोड करने व उसमें निहित अन्य एप जैसे गोरा शक्ति साइबर शिकायत सत्यापन ईएफआईआर एप का इस्तेमाल करने तथा यातायात नियमों व नाबालिगों के द्वारा वाहन न चलवाने के अनुपालन करने के संबंध में जानकारी दी गई ।

चौकी प्रभारी धनौरी हेमदत्त भारद्वाज ने जानकारी देते हुए बताया कि साइबर अपराध कई प्रकार के होते हैं जिसमें हैकर्स/धोखेबाज किस्म के अपराधी पीड़ितों की प्रतिष्ठा, वित्त, व्यवसाय आदि को प्रभावित करने वाले विभिन्न साधनों का उपयोग करते हैं। समय के साथ साइबर अपराधी साइबर क्राइम करने के तरीके बदल रहे हैं। उन्होंने बताया कि आपकी सहायता करने के लिए आपको यदि कोई बैंक, बिजली निगम, टेलीफोन एक्सचेंज, आयकर या किसी भी विभाग का कर्मचारी बताकर आपसे कोई जानकारी मांगता है तो आप उसे अपनी कोई भी जानकारी ना दें साइबर ठगों के निशाने पर हर वह आदमी है, जो किसी भी डिजिटल माध्यम से जुड़ा है फिर चाहे वह इंटरनेट मीडिया हो या फिर इंटरनेट बैंकिंग। बदलते वक्त के साथ साइबर ठगों ने अपने पैंतरे भी बदले हैं। साइबर ठग इंटरनेट मीडिया के जरिए लोगों के पास किसी एप्लीकेशन के माध्यम से फ्रैंड रिक्वेस्ट भेजते हैं। वह उनसे दोस्ती करके धीरे-धीरे उनके बारे में समस्त जानकारियां जुटा लेते हैं। उसके बाद शातिर उनको ठगी का शिकार बनाते हैं।

वो उनकी निजी फोटो/बैंक खातों से संबंधी जानकारी भी एकत्रित कर लेते हैं और अपने जाल में फंसाकर उनके खाते में जमा पूंजी को खाली कर देते हैं। ऐसे में विद्यार्थियों एवं आमजन को इस बात का ख्याल रखना चाहिए कि वह अपने इंटरनेट मीडिया अकाउंट व बैंकिंग एप्स को सुरक्षित लॉक करके रखें तथा अपनी निजी जानकारी को किसी भी व्यक्ति से सांझा करने से बचें।

भगवानपुर में गुलदार का आतंक,भारतीय किसान यूनियन ने वन विभाग कार्यालय पर किया जोरदार प्रदर्शन,रेंजर के आश्वासन पर धरना समाप्त

रिपोर्टर शमशाद अहमद

भगवानपुर क्षेत्र में गुलदार की दस्तक से ग्रामीणों में डर का माहौल है जिसके चलते भारतीय किसान यूनियन टिकैत से जुड़े सैकड़ो किसानों ने आज वन विभाग रुड़की कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया।इस दौरान सूचना मिलने पर भगवानपुर विधायक ममता राकेश भी मौके पर पहुंची और क्षेत्र में पिंजरा लगाने की मांग की।इस दौरान किसानों और वन विभाग के रेंजर के बीच काफी नोंकझोंक भी हुई। इस दौरान भारतीय किसान यूनियन के अध्यक्ष सोमवीर सिंह ने कहा कि गुलदार के आतंक से किसान भयभीत है किसानों को अपने खेत में जाते हुए डर लगता है गांव के जंगल में गुलदार की दस्तक से किसान अपने घरों में बैठने को मजबूर है अगर जल्द ही खेत और जंगल में पिंजरा ना लगाया गया तो हालात और भी खराब हो जायेंगे।इस मौके पर ममता राकेश ने भी दो टूक किया कि जल्द से जल्द पिंजरा लगाया जाए ।इस मौके पर रेंजर विनय राठी ने तत्काल डी एफ ओ हरिद्वार से किसानों की वार्ता कराई तब जाकर किसान शांत हुए।अब जल्द ही गुलदार पकड़ने के लिए क्षेत्र में पिंजरे लगाए जाएंगे।इस दौरान रेंजर विनय राठी ने कहा कि जल्द ही किसानों की मांग पर क्षेत्र में पिंजरा लगाया जायेगा। किसान अब पूरी तरह से आश्वस्त है और उन्होंने धरना समाप्त कर दिया है।इस मौके पर तौफीक,राकेश,मुकेश,दिलीप सिंह,सचिन,राजकुमार,महावीर,राजबीर सिंह,ओमपाल,कुर्बान,पवन कुमार,अनुराग चौधरी,गुरबीर,राजेश सिंह चौहान,अतुल चौहान,मिंटू कुमार ,सविंदर,सुखपाल सिंह चौहान,राजेश सिंह चौहान, कालू राम,कवरपाल,सुशील कुमार,धर्म सिंह,और बिजेंद्र सिंह आदि किसान मौजूद रहे।

5 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया

मिशन नेशनल न्यूज / नाथीराम कश्यप

लक्सर,उत्तराखंड, लक्सर पुलिस के द्वारा 5 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है, लक्सर कोतवाली प्रभारी राजीव रौथाण ने बताया कि माननीय मुख्यमंत्री उत्तराखंड के ड्रग्स फ्री देव भूमि मिशन 2025 को साकार करने के लिए जनपद को नशा मुक्त करने नशा अवैध शराब स्मेंक चरस गांजा आदि के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। अभियान को सफल बनाने के क्रम में एसएसपी हरिद्वार द्वारा जनपद के सभी कोतवाली प्रभारी थाना अध्यक्षों को निर्देशित किया गया था। जिसमें पुलिस टीम गठित की गई, गठित पुलिस टीम के द्वारा 20 दिसंबर 2024 को मुखबिर की सूचना पर छापेमारी करते हुए एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया, उससे 5 लीटर अवैज कच्ची शराब बरामद हुई, उससे पूछताछ करने पर उस व्यक्ति ने अपना नाम जीवन पुत्र सोनू निवासी मोहम्मदपुर कुन्हारी थाना कोतवाली लक्सर जनपद हरिद्वार बताया, उसको पकड़ने वाली पुलिस टीम में सुल्तानपुर पुलिस चौकी प्रभारी लोकपाल परमार, कांस्टेबल अजीत, प्रकाश खनेडा, शामिल रहे, पकड़े गए व्यक्ति के खिलाफ संबंधित धाराओं मैं मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पकड़े गए व्यक्ति को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

प्रेस क्लब भगवानपुर संगठन चुनाव में आज नामांकन पत्र खरीदे गए

मिशन नेशनल न्यूज /शमशाद अहमद

प्रेस क्लब भगवानपुर संगठन चुनाव में आज नामांकन पत्र खरीदे गए ,अध्यक्ष पद के लिए दो नामांकन पत्र खरीदे गए एक नामांकन मुरसलीन अल्वी ने एक आदिल राणा ने खरीदा ,उपाध्यक्ष पद के लिए दो नामांकन पत्र खरीदे गए एक नामांकन पत्र सुनील कुमार उर्फ कुकू पंडित ने और एक मोहब्बत ने खरीदा ,महासचिव पद के लिय धीर सिंह ने नामांकन खरीदा एक नामांकन पत्र ,कोषाध्यक्ष के

संदीप राठौर न लिया और ऑडिटर के लिए लियाकत कुरैशी न नामांकन पत्र खरीदा गया और आदिल राणा ने कहा है कि अगर मुझे अध्यक्ष बनाया गया तो मैं प्रेस क्लब भगवानपुर को ऊंचाइयों पर ले जाने का काम करूंगा और वही मुरसलीन अल्वी का कहना है कि मैं पत्रकार साथियों का किसी भी तरह से उत्पीड़न नहीं होने दूंगा इस बार प्रेस क्लब भगवानपुर के चुनाव खासे दिलचस्प होने की उम्मीद है इस मौके पर संरक्षक धीर सिंह संरक्षक शमशाद अहमद सूरज कुमार राहुल कुमार दिनेश कुमार आदिल राणा मुरसलीन अल्वी सुनील शर्मा उर्फ कुकू पंडित लियाकत कुरैशी आदि मौजूद रहे

नवागत एसडीएम से पत्रकारों ने शिष्टाचार मुलाकात कर गुलदस्ता भेंट किया

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

लक्सर, लक्सर प्रेस क्लब तहसील लक्सर के पत्रकार बंधुओं ने नवनियुक्त उप जिलाधिकारी सौरव असवाल को गुलदस्ता देकर एक शिष्टाचार मुलाकात किया। उप जिला अधिकारी ने सभी पत्रकार बंधुओं का परिचय प्राप्त किया साथ ही साथ पत्रकार बंधुओं ने उप जिला अधिकारी को अपने क्षेत्र में होने वाली विवादित समस्याओं एवं जमीनी विवाद संबंधी समस्याओं की सुनवाई जल्द से जल्द करने का आग्रह किया। उप जिलाधिकारी सौरव असवाल ने बताया कि आप सभी की समस्याओं पर ध्यान अवश्य दूंगा और जल्द से जल्द आप सभी के द्वारा उठाए गए समस्याओं को निस्तारित करने का प्रयास करूंगा। उन्होंने अपनी समस्याओं को उनके सामने रखा जिसे उप जिलाधिकारी ने तुरंत निस्तारण करने का आदेश दिया और कहा कि गरीबों का आंसू पोछने का काम करूंगा। हमारे स्तर से जो भी योजनाएं आएंगी वह जमीनी स्तर पर सभी लोगों को प्राप्त होंगे। इस अवसर पर लक्सर प्रेस क्लब के प्रेस क्लब अध्यक्ष प्रवीण सैनी महामंत्री जाने आलम कोषाध्यक्ष संजय धीमान पत्रकार फरमान खान फिरोज अहमद विनोद धीमान.राहुल. सैनी.अरूण देव फारुख अली नाथी राम कश्यपसूरज सिंह आदि पत्रकारगण उपस्थित रहे

स्वर्गीय श्री कलिराम राकेश जी की पुण्यतिथि पर नम आँखों से भगवानपुर विधानसभा के लोकप्रिय नेता सुबोध राकेश एवं क्षेत्र सम्मानित जनता ने श्रद्धांजलि दी।

मिशन नेशनल न्यूज /शमशाद अहमद

भगवानपुर। भगवानपुर में संत शिरोमणि गुरु रविदास मंदिर में पूर्व ब्लॉक प्रमुख स्व श्री कलिराम राकेश जी की 16वी पुण्यतिथि पर पुत्र पूर्व राज्य मंत्री सुबोध राकेश के माध्यम से श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान पूर्व राज्य मंत्री सुबोध राकेश व पूर्व मंडी समिति के अध्यक्ष सुभाष राकेश ने अपने पिता को नम आँखों से याद करते हुए श्रद्धांजलि दी। इस दौरान बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने श्रध्दांजलि दी। इस अवसर पर सुभाष राकेश पूर्व कृषि उत्पादन मंडी समिति अध्यक्ष भगवानपुर,कुलबीर प्रधान, नितिन प्रधान,पवन तोमर,प्रदीप चौधरी, संजय चौधरी,जॉनी प्रधान,डॉक्टर राजेश सैनी,अजय गोयल,बिट्टू चौधरी,सुनील बंसल,सुदेश राकेश,छोटी बहन ममता राकेश, सुभाष उनियाल, बाला देवी, रवि कुमार आदि मौजूद रहें ।

खेडीशिकोहपुर व ग्राम हसनवाला में लगभग 1 करोड़ 95 लाख रुपए की लागत से बनने वाली आंतरिक सड़कों का फीता काट कर उद्घाटन किया

मिशन नेशनल न्यूज /शमशाद अहमद

विधायक इंजिनियर रवि बहादुर ने विधानसभा ज्वालापुर क्षेत्र के ग्राम खेडीशिकोहपुर व ग्राम हसनवाला की जनता को दी विकास की बड़ी सौगात । विधानसभा ज्वालापुर की जनता के हित व क्षेत्र के विकास के लिए निरंतर कार्य करने वाले विधायक इंजी रवि बहादुर ने ग्राम खेडीशिकोहपुर में लगभग 99 लाख 86 हजार रुपये के लागत से बने वाली आंतरिक सड़को का नारियल फोड़कर शुभारंभ किया। और साथ ही ग्राम हसनवाला में भी 95 लाख 67 हजार रुपये की आंतरिक सड़को का फीता कटवाकर उद्घाटन किया गया । उन्होंने विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों का दौरा कर आमजनो की समस्याओं को सुना। वही तमाम समस्याओं का समाधान करने के लिए ग्रामीणों को आश्वासन दिया गया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विकास कार्यो का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया। इस दौरान कई जगहों पर क्षेत्रवासियों ने विधायक इंजी रवि बहादुर का फूल मालाओं से स्वागत और अभिनंदन किया। विधायक इंजी रवि बहादुर ने जनता के अभाव-अभियोग सुने। विधायक ने कई समस्याओं का मौके पर ही निराकरण करवाया। इस मौके पर प्रधान शफात, राव रिफाकत खा, राव गुड्डू प्रधान, राव फसात प्रधान , राव सफात अली,मन्ववर कुरैशी, राव आदिल, जुबेर पुंडीर, शाकिर अली, प्रवेज अली,राव रहीस, अशोक सैनी, मुस्तकीम प्रधान ,उस्मान, आदेश कम्बोज प्रधान, अब्दुल खालिक, शाहजेब अली, वकार राणा, राव जुनेद राणा, शुभम चौहान, नसीर अली, सागर बेनीवाल, सुमित सैनी ,मोहित चौहान ,भवर सिंह आदि लोग उपस्थित रहे ।

पुरूषोतम की फर्जी कहानी से हरिद्वार पुलिस ने उठाया पर्दा

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

षड्यंत्रकर्ता पुरूषोतम व अन्य की तलाश जारी फायरिंग की वीडियो उच्चाधिकारियों को बार-बार भेजकर, पुलिस पर लगातार बना रहा था कार्रवाई का दबाव थाना पथरी पुलिस की कार्यशैली की प्रशंसा

क्या थी घटना

दिनांक 28/11/2024 की रात्रि में कॉलर पुरुषोत्तम पुत्र चंद्रपाल निवासी बिशनपुर कुंडी थाना पथरी जनपद हरिद्वार द्वारा सीसीआर रुड़की को सूचना दी कि मेरे घर पर दो बाइक सवार युवकों द्वारा फायरिंग की गई है फायरिंग के छर्रे मुझको भी लगे हैं जल्दी कार्रवाई करें।

मौके पर पहुंची पथरी पुलिस, घटना का संज्ञान लेते हुए किया मुकदमा दर्ज

सूचना मिलते ही थाना पथरी पुलिस द्वारा तत्काल मौके पर पहुंच कर घटना की जानकारी ली गई तत्पश्चात आसपास के लोगों से पूछताछ, सीसीटीवी फुटेज एवं अन्य सभी प्रकार से घटना के सम्बन्ध में जानकारी कर कॉलर से भी कई प्रश्न किए गए जिनका जवाब कॉलर के पास नहीं था। घटना के संदर्भ में मुकदमा दर्ज किए जाने हेतु पथरी पुलिस द्वारा कई दिन तक कॉलर को कई बार थाने बुलाया गया परंतु कॉलर द्वारा थाने न आने पर पथरी पुलिस द्वारा मामले का स्वयं संज्ञान लेकर दिनांक 03/12/24 को अज्ञात अभियुक्तों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। घटना का वीडियो वायरल कर पुलिस पर कार्यवाही न करने का लगा रहा था आरोप कॉलर द्वारा एक साजिश के तहत घर पर फायरिंग का वीडियो उच्चाधिकारीगणों व अन्य व्हाट्सएप ग्रुप में डाल कर पथरी पुलिस पर कार्यवाही न करने का लगातार आरोप लगाया जा रहा था।

विवेचना से प्रकाश में आए नाबालिग ने खोला घटना का राज

दौराने विवेचना कई संदिग्धों से पूछताछ, घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को चेक करते हुए प्रकाश में आए नाबालिग से पूछताछ पर गोलीकांड की घटना से पर्दा उठा।

कॉलर ने ही बुना फायरिंग का ताना बाना, पड़ोसी को फंसाने का था प्लान

कॉलर पुरूषोतम का अपने पड़ोसी पूर्व बीडीसी मेंबर तेलूराम से पिछले लगभग 4 वर्षों से आपसी रंजिश चल रही है जिसके चलते तेलूराम को हत्या के प्रयास मामले में फंसाने के लिए अपने परिचित दरगाहपुर लक्सर निवासी नाबालिग से खुद के घर पर फायरिंग करवाई और पुलिस को गुमराह कर सारा आरोप पड़ोसी तेलूराम के माथे गढ़ दिया।

तेलूराम व पुरूषोतम के बीच क्या थी पुरानी रंजिश

कुछ साल पूर्व पुरूषोतम के पिताजी चंद्रपाल ने तेलूराम को कुछ बीघा जमीन बेची लेकिन उसी बीच चंद्रपाल की मृत्यु हो गई। अचानक हुई मृत्यु से पुरुषोत्तम के मन में विकार आ गया।

उत्तरकाशी के मोरी ब्लॉक की नीति आयोग रैंकिंग में उल्लेखनीय प्रगति देशभर में 44वां और राज्य में दूसरा स्थान

उत्तरकाशी जिले को समग्र विकास में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

उत्तरकाशी, आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम (एबीपी) के क्रियान्वयन में उत्तरकाशी जिले के मोरी ब्लॉक को राज्य में दूसरी तथा देशभर के 500 ब्लॉकों में 44वीं रैंक मिली है। समग्र विकास की नीति आयोग की कसौटी पर बेहतर प्रदर्शन करने पर मोरी ब्लॉक और उत्तरकाशी जिले को यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। जिले के मोरी विकास खंड को देशभर के 500 ब्लाकों के साथ आकांक्षी विकास खंड कार्यक्रम के लिए चुना गया है। केन्द्र सरकार के द्वारा राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन के सहयोग से संचालित इस योजना के तहत स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा, कृषि एवं संबद्ध सेवाएँ, बुनियादी ढांचे व सामाजिक विकास के तय संकेतकों की कसौटी पर आकांक्षी विकास खंड को पूरी तरह से संतृप्त करने की मुहिम चलाई जा रही है। मुख्य विकास अधिकारी एसएल सेमवाल ने बताया कि गत दिवस नीति आयोग ने देश के सभी आकांक्षी ब्लॉकों की डेल्टा रैंकिंग जारी की है। इस रैंकिंग में उत्तरकाशी के मोरी ब्लॉक का देशभर में 44 वां स्थान और राज्य में दूसरा स्थान मिला है। जबकि इससे पहले मोरी की देशभर में रैंकिंग 239 थी। उन्होंने बताया कि इस सफलता के पीछे स्थानीय स्तर पर प्रभावी समन्वय, नवीनतम तकनीकों का उपयोग और डेटा-संचालित निर्णय लेने की सर्वोत्तम पद्धतियों का योगदान भी है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के क्रियान्वयन में जुटी जिले व ब्लॉक की पूरी टीम व सम्बंधित विभागों के प्रतिबद्ध प्रायासों और बेहतर समन्वय के साथ ही स्थानीय लोगों के सक्रिय व सकारात्मक सहयोग से मोरी ब्लॉक ने इस बार उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए न केवल राज्य बल्कि पूरे देश में अच्छी रैंकिंग प्राप्त की है। रैंकिंग में और सुधार करने के लिए प्रयास निरंतर जारी रखे जाएंगे।

उत्तरकाशी में इंस्पायर अवार्ड प्रतियोगिता का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

उत्तरकाशी, जनपद में 20 एवं 21 दिसंबर को इंस्पायर अवार्ड प्रतियोगिता पी. एम. श्री रा. आ. इ. का. मातली में संपन्न हुई। प्रथम दिवस इस प्रतियोगिता का उद्घाटन आई. टी. बी. पी. 12वीं बटालियन के कमांडेंट सचिन सिंह और उत्तरकाशी विद्यालयी शिक्षा विभाग के जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक शैलेन्द्र अमोली और विकासखंड शिक्षा अधिकारी ओ. पी. बधानी ने मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया। कमांडेंट सचिन सिंह ने अपने वक्तव्यों में कहा कि यह प्रतियोगिता अन्य प्रतियोगिताओं से अनूठी है। इसमें एक तरफ बच्चों को अपनी प्रस्तुति के लिए आर्थिक सहायता मिल रही है, वहीं दूसरी तरफ उन्हें जापान जाने का मौका मिल रहा है। उन्होंने सभी बच्चों और उनके मार्गदर्शक शिक्षकों को शुभकामनाएं दीं। जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक शैलेन्द्र अमोली ने अपने वक्तव्य में कहा कि यह प्रतियोगिता छात्र-छात्राओं में वैज्ञानिक सोच के साथ कार्य संपादन की प्रवृत्ति पैदा करती है। आज दुनिया में विभिन्न क्षेत्रों में कई प्रकार के नवाचार हो रहे हैं। यह इंस्पायर अवार्ड कार्यक्रम का उद्देश्य तभी सिद्ध होगा जब हमारे बच्चे अपने आस-पास दैनिक जीवन में आने वाली समस्याओं को स्वयं दूर करें। इस कार्यक्रम के जिला समन्वयक डॉ. राजेश जोशी एवं सह समन्वयक डॉ. संजीव डोभाल ने बताया कि इस प्रतियोगिता में पूरे जनपद के विद्यालयों से कक्षा 6 से 10 तक के 108 बच्चों ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता में सभी विद्यालयों ने बच्चों के 5-5 आइडिया को पोर्टल पर पंजीकृत किया। फिर नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार द्वारा पूरे जनपद से प्राप्त आइडिया में से 10 प्रतिशत उत्कृष्ट विचारों को चुना गया और उन्हें अपने प्रोटोटाइप को बनाने के लिए दस-दस हजार की धनराशि दी गई। प्रतियोगिता में निर्णायकों के रूप में विजयलक्ष्मी रावत, प्रशांत जोशी और एन. आई. एफ. से आई वैज्ञानिक संध्या तिवारी रहीं। द्वितीय दिवस को पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में खंड शिक्षा अधिकारी भटवाड़ी हर्षा रावत और स्थलीय संयोजक संदीप भट्ट उपस्थित रहे।

आज भारत वन स्थिति रिपोर्ट-2023 होगी जारी, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव पहुंचे देहरादून

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव आज देहरादून में भारत वन स्थिति रिपोर्ट 2023 जारी करेंगे। केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव शनिवार को वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून में भारत वन स्थिति रिपोर्ट (आईएसएफआर) 2023 जारी करेंगे। भारतीय वन सर्वेक्षण (एफएसआई) 1987 से द्विवार्षिक आधार पर भारत वन स्थिति रिपोर्ट (आईएसएफआर) प्रकाशित करता है।यह रिपोर्ट देश के वन और वृक्ष संसाधनों पर जानकारी प्रदान करती है। एफएसआई 1987 से रिपोर्ट प्रकाशित कर रहा और यह रिपोर्ट इस श्रृंखला की 18वीं रिपोर्ट होगी। रिपोर्ट वन आवरण मानचित्रण (एफसीएम) और राष्ट्रीय वन सूची (एनएफआई) पर आधारित होती है।

रिपोर्ट जारी करते समय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह और मंत्रालय की सचिव लीना नंदन भी मौजूद रहेंगे। आईसीएफआरई, डब्ल्यूआईआई, आईजीएनएफए, एफआरआई, सीएएसएफओएस, आईआरओ, बीएसआई, जेडएसआई संस्थानों के अधिकारी शामिल होंगे।

नई बिजली दरों का प्रस्ताव भेजने की तैयारी में यूपीसीएल, शासन स्तर पर अब तक नहीं हो पाया कोई फैसला

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

बोर्ड बैठक में तय किया गया था कि इस पर फैसले के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति निर्णय लेगी। समिति में सचिव ऊर्जा और सचिव वित्त भी शामिल थे।

प्रदेश में नई विद्युत दरों का प्रस्ताव अब बिना पुरानी 4,300 करोड़ की देनदारी के ही भेजा जा सकता है। इस देनदारी की वसूली पर शासन स्तर पर अब तक कोई फैसला नहीं हो पाया है। यूपीसीएल को 26 दिसंबर तक टैरिफ प्रस्ताव भेजना है।दरअसल, यूपी से बंटवारे के बाद बचे हुए 4,300 करोड़ रुपये या तो सरकार माफ कर सकती है या फिर उपभोक्ताओं से वसूल किए जा सकते हैं।

बीते दिनों हुई बोर्ड बैठक में तय किया गया था कि इस पर फैसले के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति निर्णय लेगी। समिति में सचिव ऊर्जा और सचिव वित्त भी शामिल थे।

क्रिसमस व नववर्ष में राजधानी की यातायात व कानून व्यवस्था मजूबत बनाने को एडीजीलॉ एंड आर्डर ने ली बैठक

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

देहरादून शनिवार को पुलिस कार्यालय में अपर पुलिस महानिदेशक, अपराध एंव कानून व्यवस्था वी0 मुरुगेशन द्वारा आगामी क्रिसमस,विंटर कार्निवाल,व नववर्ष में राजधानी की कानून व्यवस्था में किसी भी प्रकार से कोई चूक न होने देने व पर्यटको की दृष्टि से सुरक्षित व सुगम व्यवस्था बनाने को वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की।

बैठक के दौरान एडीजी, लॉ एंड आर्डर द्वारा आगामी क्रिसमस,विन्टर कार्निवाल व नव वर्ष में बाहरी राज्यों से मसूरी व राजधानी के मुख्य स्थलों पर आने वाले पर्यटको की बेहतर सुविधा हेतु कानून व्यवस्था व यातायात व्यवस्था के सम्बंध में विचार विर्मश करते हुए इस दिशा में सकारात्मक कार्य करने को कहा।

इस दौरान बैठक में पुलिस महानिरीक्षक, अपराध एंव कानून व्यवस्था नीलेश आनन्द भरणे, पुलिस महानिरीक्षक गढ़वाल परिक्षेत्र राजीव स्वरूप,निदेशक यातायात अरूण मोहन जोशी ने उक्त सभी आयोजनों के दौरान राजधानी के कानून व्यवस्था एवं यातायात व्यवस्था को बनाये रखने को अपने-अपने सुझाव दिये गये। दून पुलिस द्वारा आगामी अवसरो के दृष्टिगत जनपद की कानून व्यवस्था एवं यातायात व्यवस्था के सम्बंध में पूर्ण तैयारियां की गई है। गोष्ठी में जनपद देहरादून के एसपी सिटी, एसपी देहात-1,एसपी देहात-2, एसपी ट्रैफिक सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

डीएम एससपी का बुलेट भ्रमण, साबित हो रहा है सार्थक

खोली गईं हैं आईएसबीटी के नीचे की 3 पार्किंग तथा आईएसबीटी गेट नम्बर 02

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल शहर की यातायात व्यवस्था में सुधार लाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं, जिसके लिए शहर में पार्किंग एवं यातायात प्रबन्धन के लिए निरंतर प्रयार किये जा रहे हैं। जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून ने शहर में टू-व्हीलर ने भ्रमण कर मूलभूत सुविधाओं में सुधार करने तथा शहर की यातायात व्यवस्था प्रबन्धन में दिखी कमी को निरंतर ठीक किया जा रहा है।जिलाधिकारी ने सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि न्यायालय ने सड़क सुरक्षा समिति को सुधार के लिए असीम शक्तियां प्रदान की गई हैं, तथा आपदा प्रबन्धन अधिनियम 2005 में वर्णित शक्तियों का प्रयोग करते हुए सड़क सुधार कार्य किये जाएं। प्रत्येक जीवन अमूल्य है, सड़क पर तेज रफ्तार पर ब्रेक लगाना आवश्यक है इसके लिए निरंतर सुधार किये जाएं।आईएसबीटी क्षेत्र आवागमन के लिए 2 गेट होने के उपरान्त भी 1 गेट से बसों का संचालन किया जा रहा है था, अब ऋषिकेश, हरिद्वार, कोटद्वार व गढवाल तथा कुमाऊ के क्षेत्रों में जाने वाले वाहन का निकास व प्रवेश गेट न 2 के कट से तथा सहारनपुर, दिल्ली जाने वाले वाहनों का निकास गेट 1 के कट से किये जाने एवं प्रवेश गेट 2 से करने का निर्णय लिया गया आईएसबीटी क्षेत्र के बाहर वाहनों ने यात्रियों को बैठाने तथा उतारने से भी यातायात प्रभावित हो रहा था, जिसे अब बंद करने का निर्णय लिया गया है, वाहन में यात्रियों को बैठाने व उतारने के लिए निर्धारित स्थल पर किया जाएगा, नियमों का पालन न करने वालों के वाहन सीज करते हुए रेंजर्स ग्राउण्ड लाए जाएंगे तथा बार-बार ऐसा कृत्य करते पाए जाने पर लाईसेंस निलंबित किये जाएंगे। इसके लिए पुलिस अधीक्षक यातायात व सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी की जिम्मेदारी तय की गई है।आईएसबीटी फ्लाई ओवर के नीचे जंक्शन प्वांईट पर निरंजनपुर मण्डी की तरफ आने वाले ट्रेफिक क कारगी चौक एवं टर्नर रोड की तरफ जाने के कारण तथा टर्नर रोड से जाने वाले वाहनों के कारगी एवं निरंजनपुर मण्डी से वाहनों को निरंजनपुर मण्डी की तरफ जाने के कारण जाम की स्थिति उत्पन्न होती है। अब इसमें सुधार करते हुए निरंजनपुर मण्डी से दुपहिया एवं चार पहिया हल्के वाहनों को निरंजनपुर मण्डी की तरफ से फ्लाई आवेर के माध्यम से जंक्शन आईएसलैण्ड से कारगी चौक की तरफ संचालित डायवर्ट कर, आईएसबीटी फ्लाईओवर के नीचे सर्विस रोड़ एवं जंक्शन प्वांईट पर यातायात दबाव कम करने का प्रयास किया गया है। पूर्ण सुरक्षा उपाय के उपरान्त खुलेगा फ्लाई ओवर का कारगी की ओर लेफ्ट टर्न आईएसबीटी क्षेत्र में बस अड्डे के आसपास व्यवसायिक प्रतिष्ठानों के स्वामियों के वाहन, ई रिक्शा, छोटे हाथी, टाटा मैजिक व अन्य सवारी वाहनों के समुचित पार्किंग न होने के कारण वाहन मुख्य मार्ग पर पार्क किये जा रहे हैं, जिस पर नगर मजिस्टेज्ट, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी एवं अधिशासी अभियंता लोनिवि वाहनों को फ्लाई ओवर के नीचे उपलब्ध स्थानों में तत्काल पार्किंग की व्यवस्था कराते हुए यातयात सुचारू संचालित के निर्देश दिए।

उत्तरकाशी में नाबालिग युवती के अपहरण और बलात्कार के मामले में युवक गिरफ्तार

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

उत्तरकाशी, गत 15 दिसंबर 2024 को राजस्व पुलिस चौकी छैजुला, चिन्यालीसौड पर धारा 137(2) बीएनएस में एक युवक द्वारा नाबालिग युवती के अपहरण का अभियोग पंजीकृत किया गया था। मामला संवेदनशील और महिला से जुड़ा होने के कारण जिलाधिकारी उत्तरकाशी के आदेशानुसार उक्त प्रकरण राजस्व पुलिस से नियमित पुलिस थाना धरासू को स्थानांतरित किया गया। पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी द्वारा अपराध की गंभीरता को देखते हुए उक्त मामले में विधि अनुसार साक्ष्य संकलन करते हुए अभियुक्त की तुरंत गिरफ्तारी तथा अभियोग के त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित पुलिस अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए थे। अभियोग की विवेचना महिला उपनिरीक्षक शशि राणा को सौंपी गई। क्षेत्राधिकारी उत्तरकाशी सुरेन्द्र सिंह भंडारी के निकट पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक धरासू दिनेश कुमार के नेतृत्व में धरासू पुलिस द्वारा उक्त मामले में वादी तथा पीड़िता के बयानों, मेडिकल रिपोर्ट आदि साक्ष्यों के आधार पर धारा 64(1) बीएनएस और ३ पोक्सो एक्ट की बढ़ोतरी की गई। कल दिनांक 20.12.2024 की रात में अभियोग से संबंधित आरोपी युवक को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने के उपरांत न्यायिक अभिरक्षा में जिला कारागार नई टिहरी भेजा गया है।

नेशनल गेम्स की तैयारियां...दीपक रावत को खुद निरीक्षण के लिए निकलना पड़ा, हुए नाराज; सवालों की बौछार की

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

आयुक्त दीपक रावत ने मिनी स्टेडियम और गौलापार स्थित अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम का निरीक्षण किया। इस दौरान भी लापरवाही सामने आ गई। मिनी स्टेडियम में वॉलीबाल कोर्ट का काम ठप होने पर आयुक्त काफी नाराज हुए।

नेशनल गेम्स की तैयारियां परखने के लिए एक दिन पहले सिटी मजिस्ट्रेट की बुलाई गई बैठक का हाल देखकर आयुक्त दीपक रावत को खुद निरीक्षण के लिए निकलना पड़ा। शुक्रवार को उन्होंने मिनी स्टेडियम और गौलापार स्थित अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम पहुंचकर हाल देखा। इस दौरान भी लापरवाही सामने आ गई। मिनी स्टेडियम में वॉलीबाल कोर्ट का काम ठप होने पर आयुक्त काफी नाराज हुए।

सिटी मजिस्ट्रेट ने बृहस्पतिवार को बैठक की तो पता चला कि संबंधित विभाग के अधिकारियों को यही नहीं पता कि उन्हें करना क्या है। यह स्थिति जानने के बाद ही आयुक्त शुक्रवार को निरीक्षण के लिए गए। मिनी स्टेडियम के वॉलीबाल कोर्ट में कामकाज ठप देख आयुक्त ने खेल उपनिदेशक राशिदा सिद्दीकी को वॉलीबाल कोर्ट में काम करने वाले मजदूरों के नाम, पे-रोल, रजिस्टर आदि का ब्योरा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कहा- समय कम है, लिहाजा कोई भी काम किसी भी स्थिति में बंद नहीं होना चाहिए।आयुक्त ने मिनी स्टेडियम में चारों तरफ पाथ-वे पर लगाई जा रही बरमूडा घास पर नियमित रूप से पानी का छिड़काव करने के लिए कहा। जहां घास नहीं लगी है, वहां लगाने के निर्देश दिए।

पेयजल निर्माण निगम की खेल इकाई के एई शैलेंद्र सिंह भंडारी ने आयुक्त को बताया कि 4.36 करोड़ रुपये से फुटबाल ग्राउंड बनाने समेत अन्य काम किए जा रहे हैं। फुटबाल मैदान में राई घास लगाई जा रही है। पूरे मैदान में घास की सीडिंग कर दी गई है, जनवरी के पहले सप्ताह में उग जाएगी। इस पर आयुक्त रावत ने दोबारा निरीक्षण की बात कही। आयुक्त ने खेल विभाग व कार्यदायी संस्था पेयजल निर्माण निगम को राष्ट्रीय खेल की तिथियों से पूर्व सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए।

आयुक्त दीपक रावत ने इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम का दौरा कर वहां चल रहे कार्यों को भी देखा। इंडोर स्टेडियम निरीक्षण के दौरान रावत ने लाइटिंग व एसी का काम जल्द पूरा करने, इलेक्ट्रिक सेफ्टी व फायर सेफ्टी करवाने के निर्देश दिए।

आयुक्त ने कहा, डेढ़-दो साल पहले नागार्जुन कंस्ट्रक्शन कंपनी से स्टेडियम टेकओवर किया गया था तो तभी यह देखना चाहिए था कि एसी चालू है या नहीं। उप निदेशक राशिदा सिद्दीकी ने बताया कि स्टेडियम वर्ष 2015 में बनकर तैयार हुआ, लेकिन हैंडओवर बाद में हुआ। आयुक्त ने ताइक्वांडो कोर्ट की दीवारों पर लगी हुई एकोस्टिक्स की मरम्मत कराने व कोर्ट की सफाई व पेंटिंग का काम समय से पूरा करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने स्विमिंग पूल का भी जायजा लिया। उन्होंने साइट सुपरवाइजर से कहा कि राष्ट्रीय खेल के आयोजन को सफल बनाने के लिए जितनी भी मैनपावर चाहिए।

राजनीति के महानायक

देहरादून। उत्तराखण्ड में कांग्रेस व भाजपा की सरकारों को चलाने वाले पूर्व मुख्यमंत्रियों में आवाम का दिल जीतने का वो जज्बा कभी देखने को नहीं मिला जिससे आवाम को यह आभास होता कि सत्ता के शीर्ष पर बैठा राजनेता उन्हें अपना परिवार मानता है? बाइस सालों से राज्य की जनता को राजनीति में एक ऐसा महानायक देखने की चाहत दिखाई दे रही थी जिसे वह कभी भी अपने पास बुलाने का सपना पूरा कर सकता। उत्तराखण्ड में तीन साल से सरकार चला रहे मुख्यमंत्री ने राजनीति का सारा इतिहास भूगोल ही बदलकर रख दिया और उन्होंने अपने शासनकाल में बच्चों को जहां अपने सौम्य रूप से अपना बनाने का हुनर दिखाया तो बच्चों ने भी उन्हें अंकल मामा कहना शुरू कर दिया तो वहीं मातृशक्ति मुख्यमंत्री की सादगी और उनके फलावर रूप को देखकर वह उन्हें अभेद सत्ता चलाने का आशीर्वाद दे रही हैं तो वहीं राज्य के युवा मुख्यमंत्री को उत्तराखण्ड का महानायक मानकर उनकी स्वच्छ राजनीति को सैल्यूट कर रहे हैं। तीन साल से अधिक कार्यकाल से सरकार चला रहे मुख्यमंत्री आवाम की पाठशाला में सुपर बन गये हैं और आवाम मुख्यमंत्री को राजनीति का महानायक मानकर उन्हें अभेद सत्ता चलाने का आशीर्वाद देकर उत्तराखण्ड को एक नई उडान पर ले जाने के सपने पूरे कर रहा है।

उत्तराखण्ड में कांग्रेस व भाजपा के अधिकांश एक्स सीएम राज्य के अन्दर वो अलख नहीं जगा पाये थे जिसकी चाहत हमेशा राज्यवासियों ने पाली थी। उत्तराखण्डवासियों को हमेशा इस बात का दर्द रहा कि शहीद आंदोलनकारियों ने जिस राज्य की कल्पना के लिए अपने प्राणों का बलिदान दे दिया था वह बलिदान उनका व्यर्थ जा रहा था? आंदोलनकारियों के मन में हमेशा यही चाहत रहती थी कि शहीद आंदोलनकारियों के सपनों का उत्तराखण्ड बनाने के लिए कब कोई ऐसा राजनेता आयेगा जो उत्तराखण्ड के शहीदों के सपने पूरे करेगा। उत्तराखण्ड की कमान जबसे युवा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को मिली है तो उन्होंने राज्य के अन्दर एक नई राजनीति का आगाज शुरू किया है और वह उत्तराखण्ड में भ्रष्टतंत्र को तहस नहस करने में जुटे हुये हैं तो वहीं आवाम का दिल जीतने के एजेंडे पर वह तेजी के साथ आगे बढते जा रहे हैं। आज उत्तराखण्ड में युवा मुख्यमंत्री की स्वच्छ राजनीति ने आवाम के बाइस सालों से देखने वाले सपनों को जिस तरह से पंख लगाये हैं उससे अब उत्तराखण्ड

की जनता मुख्यमंत्री को राजनीति के महानायक के रूप में देख रही है।

उल्लेखनीय है कि उत्तराखण्ड़ की जनता ने राज्य बनने के बाद से ही एक से एक धुरंदर मुख्यमंत्रियों का कार्यकाल देखा लेकिन जनता के दिलों मे राज करने के लिए कोई भी पूर्व मुख्यमंत्री कामयाबी की सीढी नहीं चढ़ पाया था? तीन साल से बेदाग होकर सत्ता चला रहे मुख्यमंत्री की धमक से विपक्ष के अधिकांश नेता तो बेचैन नजर ही आ रहे हैं साथ मे भाजपा के भी काफी नेताओं मे मुख्यमंत्री की पारदर्शी सरकार चलाने की शैली ने उनके माथे पर शिकन डाल रखी है। मुख्यमंत्री ने देश के प्रधानमंत्री की तर्ज पर संदेश दे रखा है कि ह्यन खाऊंगा और न किसी को खाने दूंगाइ, शायद यही कारण है कि मुख्यमंत्री की इस शैली से भाजपा के कुछ नेता पर्दे के पीछे रहकर हमेशा मुख्यमंत्री को अपने निशाने पर लेने से नहीं चूकते। उत्तराखण्ड के अन्दर यह बहस चल रही है कि विरोधी चाहे कुछ भी ढोल पीटते रहे लेकिन यह बात भी सत्य है कि धामी जनता के दिलों मे अपना घर बना चुके हैं और वह बच्चों के अंकल मामा बन गये तो वहीं मातृशक्ति के प्रति मुख्यमंत्री की उदारता और उनकी रक्षा करने का उन्होंने जो वचन दिया हुआ है उसी का परिणाम है कि मातृशक्ति मुख्यमंत्री को अपना रक्षक मानकर उन्हें हमेशा यही आशीर्वाद देती आ रही हैं कि ह्यसीएम साहब आप हमेशा सलामत रहोइ। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने तीन साल पूर्व जब मुख्यमंत्री की कमान संभाली थी तो किसी को इस बात का इल्म नहीं था कि वह उत्तराखण्ड के सबसे बेहतर मुख्यमंत्री साबित होंगे। मुख्यमंत्री ने सरकार चलाने के लिए सबसे पहले संदेश दिया कि ह्यन खाऊंगा और न किसी को खाने दूंगाइ। मुख्यमंत्री के इस संकल्प पर राज्य की जनता को शुरूआती दौर मे विश्वास नहीं हो रहा था और वह इसे सिर्फ एक पब्लिक स्टंट मान रही थी लेकिन मुख्यमंत्री ने जब उसी शैली पर काम करने का सिलसिला शुरू किया तो आवाम भी उनका कायल हो गया कि युवा मुख्यमंत्री कोई भी संकल्प हवाबाजी मे नहीं बल्कि उसे धरातल पर उतारने के लिए लेते हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एक दशक से राज्य की राजनीति को देखा है और उन्हें इस बात का शुरूआती दौर से ही इल्म था कि अगर उत्तराखण्ड की सत्ता मे अपनी धमक दिखानी है तो उसके लिए सबसे पहले उन्हें आवाम के दिलों मे अपनी जगह बनानी होगी। पुष्कर सिंह धामी पहले ऐसे मुख्यमंत्री बन गये हैं जो राज्य के सभी जिलों मे बार-बार वहां दस्तक देकर आवाम के बीच चौपाल लगाते हैं और एक साधारण इंसान की तरह उनके बीच रहकर उत्तराखण्ड को एक नया उत्तराखण्ड बनाये जाने के लिए उनसे राय मश्वरा भी करते हैं।

मुख्यमंत्री की सादगी से राज्य की जनता उन्हें अपना रक्षक मान चुकी है तो वहीं मुख्यमंत्री का बच्चों से असीम प्रेम इतना विराट रूप ले चुका है कि वह जब भी किसी कार्यक्रम में शामिल होने जाते हैं तो वह वहां बच्चों को देखकर उनके पास पहुंच जाते हैं जहां वह किसी बच्चे को गोद मे उठा लेते हैं तो किसी बच्चे के गले मे वह फूलों की माला डालकर उसे अपना आशीर्वाद देने के लिए आगे खडे हो जाते हैं। आज मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी बच्चों के अंकल मामा बन चुके हैं वहीं मातृशक्ति मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को राजनीति का एक बडा अवतार मानकर उनके सम्मान मे आगे खडी हो रही है और वह उन्हें अपना खुला आशीर्वाद देने से पीछे नहीं हटती। कभी मातृशक्ति मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के माथे पर तिलक लगाती हैं तो कभी मातृशक्ति उनके सिर पर हाथ रखकर उन्हें एक लम्बे युग तक सत्ता मे बने रहने का आशीर्वाद देती है। मुख्यमंत्री की स्वच्छ राजनीति को राज्य की जनता खूब पसंद कर रही है और यही कारण है कि आज मुख्यमंत्री आवाम के बीच राजनीतिक महानायक बन गये हैं।

गंगोलीहाट जहां विश्राम करती है काली माता

जनपद पिथौरागढ़ के गंगोलीहाट की सौन्दर्य से परिपूर्ण छटाओं के बीच यहां से लगभग एक किमी दूरी पर स्थित अत्यन्त ही प्राचीन मां भगवती महाकाली का अद्भुत मंदिर है, जो धार्मिक और पौराणिक दोनों ही दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण है। यह स्थान आगन्तुकों का मन मोहने में पूर्णतया सक्षम है। स्कंदपुराण के मानस खंड में यहां स्थित देवी का विस्तार से वर्णन मिलता है।

कई रहस्यमयी गाथाओं का साक्षी है यह मन्दिर

उत्तराखण्ड के लोगों की आस्था का केन्द्र महाकाली मंदिर अनेक रहस्यमयी कथाओं को अपने आप में समेटे हुए है। कहा जाता है कि जो भी भक्तजन श्रद्धापूर्वक महाकाली के चरणों में आराधना के श्रद्धापुष्प अर्पित करता है उसके रोग, शोक, दरिद्रता व महान विपदाओं का हरण हो जाता है व उसे अतुल ऐश्वर्य और सम्पत्ति की प्राप्ति होती है। भक्तों के अनुसार यहां श्रद्धा एवं विनयता से की गई पूजा का विशेष महत्व है। इसलिये वर्ष भर यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का आवागमन लगा रहता है। यहां पधारने वाले भक्तजन बड़े ही भक्ति भाव से बताते हैं कि किस प्रकार माता महाकालिका ने उनकी मनौती पूर्ण की।

यहां पहुंचकर धन्य हुए शंकराचार्य

महाकालिका की अलौकिक महिमा के पास आकर ही जगतगुरू शंकराचार्य ने स्वयं को धन्य माना और मां के प्रति अपनी आस्था के श्रद्धापुष्प अर्पित करते हुए कहा कि शक्ति ही शिव है।

लोगों की आस्था का प्रतीक

उत्तराखण्ड के प्रसिद्ध कवि पं. लोकरत्न गुमानी बताते हैं कि यहां माता विशेष परिस्थितियों में गंभीर व भयानक रूप धारण करती हैं।श्री महाकाली का यह मंदिर उत्तराखण्ड के लोगों की आस्था का प्रतीक है। सुबह शाम जब माँ की आरती की जाती है तो वातावरण अद्भुत भक्तिमय हो जाता है। प्रातः काल से ही यहां भक्तजनों का तांता लगना शुरू हो जाता है। सुंदरता से भरपूर इस मंदिर के एक ओर हरा भरा देवदार का आच्छादित घना जंगल है जो बड़ा ही मनभावन है। विशेष रूप से नवरात्री एवं चैत्र मास की अष्टमी को महाकाली भक्तों की यहां पर भीड़ उमड़ती है।

कभी आवाज सुनने पर हो जाती थी मौत

आदि शक्ति महाकाली का यह मंदिर ऐतिहासिक, पौराणिक मान्यताओं सहित अद्भुत चमत्कारिक किवदंतियों व गाथाओं को अपने आप में समेटे हुए है। कहा जाता है कि महिषासुर व चण्डमुण्ड सहित तमाम भयंकर शुम्भ निशुम्भ आदि राक्षसों का वध करने के बाद भी महाकाली का रौद्र रूप शांत नहीं हुआ और इस रूप ने महाविकराल धधकती महाभयानक ज्वाला का रूप धारण कर तांडव मचा दिया था। कहते है कि महाकाली ने महाकाल का भयंकर रूप धारण कर देवदार के वृक्ष पर चढ़कर जागनाथ व भुवनेश्वर नाथ को आवाज लगानी शुरू कर दी। यह आवाज जिस किसी के कान में पड़ती थी वह व्यक्ति सुबह तक यमलोक पहुंच चुका होता था।

बाद में आदि जगत गुरू शंकराचार्य जब अपने भारत भ्रमण के दौरान जागेश्वर आये तो शिव प्रेरणा से उनके मन में यहां आने की इच्छा जागृत हुई, लेकिन जब वे यहां पहुंचे तो नरबलि की बात सुनकर उद्वेलित शंकराचार्य ने इस दैवीय स्थल

की सत्ता को स्वीकार करने से इंकार कर दिया और शक्ति के दर्शन करने से भी वे विमुख हो गए। मान्यता के अनुसार जब विश्राम के उपरान्त शंकराचार्य ने देवी जगदम्बा की माया से मोहित होकर मंदिर के शक्ति परिसर में जाने की इच्छा प्रकट की। लेकिन वे शक्ति परिसर से कुछ पहले प्राकृतिक रूप से निर्मित गणेश मूर्ति से आगे नहीं बढ़ पाये और अचेत होकर इस स्थान पर गिर पड़े व कई दिनों तक वे यही पड़े रहे । उनकी आवाज भी अब बंद हो चुकी थी। अपने अंहभाव व कटु वचन के लिए जगत गुरू शंकराचार्य को अब अत्यधिक पश्चाताप हो रहा था। पश्चाताप प्रकट करने व अन्तर्मन से माता से क्षमा याचना के पश्चात मां भगवती की अलौकिक आभा का उन्हें आभास हुआ।

पूजन की परम्परा को नया स्वरुप दे गये शंकराचार्य

चेतन अवस्था में लौटने पर उन्होंने महाकाली से वरदान स्वरूप प्राप्त मंत्र शक्ति व योगसाधना के बल पर शक्ति के दर्शन किए और महाकाली के रौद्रमय रूप को शांत किया तथा मंत्रोच्चार के द्वारा लोहे के सात बड़े-बड़े भदेलों से शक्ति को कीलन कर प्रतिष्ठापित किया। अष्टदल व कमल से मढवायी गयी इस शक्ति की ही पूजा अर्चना वर्तमान समय में यहां पर होती है। पौराणिक काल में प्रचलित नरबलि के स्थान पर नारियल चढ़ाने की प्रथा अब यहां प्रचलित है।

चमत्कारों का साक्षी

चमत्कारों से भरे इस महामाया भगवती के दरबार में सहस्त्रचण्डी यज्ञ, सहस्त्रघट पूजा, शतचंडी महायज्ञ, का पूजन समय-समय पर आयोजित होता है। यही एक ऐसा दरबार है जहां अमावस्या हो चाहे पूर्णिमा सब दिन हवन यज्ञ आयोजित होते हैं। मंदिर में चैत्र और अश्विन मास की महाष्टमी को पिपलेत गांव के पंत उपजाति के ब्राह्मणों द्वारा अर्धरात्रि में भोग लगाया जाता है। इस कालिका मंदिर के पुजारी स्थानीय गांव निवासी रावल उपजाति के लोग हैं।

सरयू एवं रामगंगा के मध्य गंगावली की सुनहरी घाटी में स्थित भगवती के इस आराध्य स्थल की बनावट त्रिभुजाकार बतायी जाती है और यही त्रिभुज तंत्र शास्त्र के अनुसार माता का साक्षात यंत्र है। यहां धनहीन धन की इच्छा से, पुत्रहीन पुत्र की इच्छा से, सम्पत्तिहीन सम्पत्ति की इच्छा से सांसारिक मायाजाल से विरक्त लोग मुक्ति की इच्छा से आते हैं व अपनी मनोकामना पूर्ण पाते हैं।

मंदिर के निर्माण की चमत्कारिक कथा

महामाया की प्रेरणा से नागा पंथ के महात्मा जंगम बाबा जिन्हें स्वप्न में कई बार इस शक्ति पीठ के दर्शन होते थे। उन्होंने रूद्र दन्त पंत के साथ यहां आकर भगवती के लिए मंदिर निर्माण का कार्य शुरू किया। परन्तु उनके आगे मंदिर निर्माण के लिये पत्थरों की समस्या आन पडी। इसी चिंता में एक रात्रि वे अपने शिष्यों के साथ अपनी धूनी के पास बैठकर विचार कर रहे थे। कोई रास्ता नजर न आने पर थके व निढाल बाबा सोचते-सोचते शिष्यों सहित गहरी निद्रा में सो गये तथा स्वप्न में उन्हें महाकाली, महालक्ष्मी, महासरस्वती रूपी तीन कन्याओं के दर्शन हुए। वे अपनी दिव्य मुस्कान के साथ बाबा को स्वप्न में ही अपने साथ उस स्थान पर ले गयी जहां पत्थरों का खजाना था। यह स्थान महाकाली मंदिर के निकट देवदार वृक्षों के बीच घने वन में था। इस स्वप्न को देखते ही बाबा की नींद भंग हुई उन्होंने सभी शिष्यों को जगाया। स्वप्न का वर्णन कर रातों-रात चीड की लकड़ी की मशालें तैयार की तथा पूरा शिष्य समुदाय उस स्थान की ओर चल पड़ा, जिसे बाबा ने स्वप्न में देखा था। वहां पहुंचकर रात्रि में ही खुदाई का कार्य आरम्भ किया गया थोडी ही खुदाई के बाद यहां संगमरमर से भी बेहतर पत्थरों की खान निकल आयी। कहते हैं कि पूरा मंदिर, भोग भवन, शिवमंदिर, धर्मशाला,मंदिर परिसर व प्रवेश द्वारों के निर्माण होने के बाद पत्थर की खान स्वतः ही समाप्त हो गयी। आश्चर्य की बात तो यह है इस खान में नौ फिट से भी लम्बे तराशे हुए पत्थर मिले।

महाकाली के संदर्भ में एक प्रसिद्ध किवदन्ती है कि कालिका का जब रात में डोला चलता है तो इस डोले के साथ कालिका के गण आंण व बांण की सेना भी चलती हैं। कहते है यदि कोई व्यक्ति इस डोले को छू ले तो दिव्य वरदान का भागी बनता है*

रोज विश्राम करने आती है कालिका

महाआरती के बाद शक्ति के पास महाकाली का बिस्तर लगाया जाता है और सुबह बिस्तर यह दर्शाता है कि मानों यहां साक्षात कालिका विश्राम करके गयी हों क्योंकि बिस्तर में सलवटें पड़ी रहती हैं। मां काली के तमाम किस्से आज भी क्षेत्र में सुने जाते है भगवती महाकाली का यह दरबार असंख्य चमत्कार व किवदन्तियों से भरा पड़ा है*

सेना की है गहरी आस्था

गंगोलीहाट में स्थित 'माँ कालिका मंदिर' जिसे पूरे कुमाऊँ क्षेत्र सहित भारतीय फौज की एक शाखा कुमाऊ रेजीमेंट की आस्था और विश्वास का केंद्र भी कहा जाता है, जो विश्वभर में प्रसिद्ध है। हाट कालिका माता के इस पावन मंदिर को भगवती माता मंदिर, हाट दरबार, महाकाली शक्तिपीठ आदि नामों से भी जाना जाता है।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में बड़ा आंतकी हमला, 16 सैनिकों की मौत हुई और 8 घायल

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के अपर जिले में एक बड़ा आंतकी हमला हुआ है। इसमें पाकिस्तान के 16 सैनिकों की मौत हुई और 8 घायल हो गए। रिपोर्ट के मुताबिक एक पुलिस अधिकारी ने कहा, लिटा सर क्षेत्र में एक सुरक्षा चौकी पर देर रात हमला हुआ।

इसके पहले 5 अक्टूबर को कई आतंकी हमलों में 16 पाकिस्तानी सैनिकों की मौत हो गई थी। खुर्रम जिले में हमले में सात सैनिक मारे गए थे, वहीं दो लोग घायल हुए थे। विश्व स्तर पर नामित आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने कथित तौर पर हिंसा की जिम्मेदारी ली थी। बताया जा रहा शनिवार को हुए हमले में भी टीटीपी आतंकियों का हाथ है। टीटीपी का हमला पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव का कारण है।

आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक खैबर पख्तूनख्वा में टीटीपी के नेतृत्व वाले तीव्र हमलों और बलूचिस्तान प्रांत में अलगाववादी जातीय बलूच विद्रोहियों के कारण इसी साल सैकड़ों सुरक्षाकर्मियों की जान चली गई। पाकिस्तान का आरोप है कि टीटीपी आतंकियों को अफगानिस्तान की तालिबान सरकार की ओर से समर्थन मिला है। हालांकि तालिबान कहता रहा है कि वह अपनी जमीन का इस्तेमाल आतंकी गतिविधियों के लिए नहीं होने दे रहा है।

उधर खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आतंकवादियों ने एक पुलिस जांच चौकी पर ग्रेनेड फेंके, जिसमें करीब दो पुलिसकर्मी मारे गए और तीन घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह आतंकी हमला पहाड़ी इलाके शांगला जिले के चकेसर इलाके में हुआ। आतंकवादी ने सुरक्षा चौकी पर ग्रेनेड फेंका और गोलीबारी की।

पूर्व छात्र ने स्कूल में घुस किया लोगों पर चाकू से हमला, एक की मौत, 4 घायल

जगरेब,

क्रोएशिया की राजधानी जगरेब में एक स्कूल के अंदर एक किशोर ने छात्रों पर चाकू से हमला किया, जिसमें सात साल की एक छात्रा की मौत हो गई और चार लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि हमला सुबह प्रेको क्षेत्र के एक स्कूल में हुआ, हमलावर की पहचान 19 साल के किशोर के रूप में हुई है और उसे हिरासत में ले लिया गया है।

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि हमलावर ने खुद को भी नुकसान पहुंचाने की कोशिश की। मीडिया रिपोर्ट में बताया कि हमलावर स्कूल दाखिल होकर सीधे पहली कक्षा में घुस गया और बच्चों पर हमला कर दिया। क्रोएशिया के गृह मंत्री ने कहा कि तीन बच्चे, एक शिक्षक घायल हो गए हैं, जबकि एक बच्चे की मौत हो गई। हमलावर भी घायल हुआ है। 19 साल का हमलावर स्कूल का पूर्व छात्र है और पास के इलाके में ही रहता है। उसने खुद पर हमला कर जान देने की कोशिश की लेकिन पुलिस ने उसे बचा लिया। उन्होंने बताया कि हमलावर को पूर्व में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं थीं और उसने पहले भी जान देने की कोशिश की थी। क्रोएशिया की मीडिया द्वारा प्रसारित वीडियो फुटेज में छात्र स्कूल भवन से बाहर की ओर भागता नजर आ रहा हैं।

जगरेब में शनिवार को शोक दिवस घोषित किया गया। राष्ट्रपति जोरान मिलनोविच ने कहा कि हम सभी को झकझोर देने वाली इस अकल्पनीय त्रासदी पर दुख व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं हैं। राष्ट्रपति ने एकजुटता बनाए रखने के साथ इस पर भी जोर दिया है कि स्कूल बच्चों के लिए सुरक्षित हों। प्रधानमंत्री आंद्रेज प्लेंकोविच ने कहा कि वह इस हमले से ह्यह्यस्तब्धह्लह्ल हैं और अधिकारी अभी यह पता लगा रहे हैं कि वास्तव में क्या हुआ था।

कुवैत पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी, हुआ भव्य स्वागत

कुवैत सिटी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने दो दिवसीय ऐतिहासिक दौरे पर कुवैत पहुंच गए हैं। कुवैत के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पीएम मोदी का भव्य स्वागत किया गया। पीएम मोदी कुवैत के अमीर शेख मेशाल अल-अहमद अल-जबर अल-सबा के आमंत्रण पर यहां पहुंचे हैं। कुवैत के प्रधानमंत्री, उच्चाधिकारियों और भारतीय समुदाय के प्रतिनिधियों ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को 2 दिवसीय यात्रा पर कुवैत पहुंचे हैं। पीएम मोदी ने कुवैत शहर में 101 वर्षीय पूर्व आईएफएस अधिकारी मंगल सैन हांडा से सौजन्य भेंट की है। यहां बताते चलें कि पीएम मोदी कुवैत के अमीर शेख मेशाल अल-अहमद अल-जबर अल-सबा के निमंत्रण पर कुवैत सिटी की 2 दिवसीय यात्रा पर पहुंचे हैं। विगत 43 वर्षों में यह किसी भारतीय पीएम की दूसरी कुवैत यात्रा है। पीएम मोदी से पहले भूतपूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने कुवैत की यात्रा की थी। उम्मीद जाहिर की जा रही है कि पीएम मोदी की इस यात्रा से भारत और कुवैत के संबंधों में एक नया ऐतिहासिक अध्याय जुड़ जाएगा और संबंध गहरे होंगे।

इससे पहले पीएम मोदी के स्वागत में मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया गया। इस समय पीएम मोदी का कुवैत दौरा अनेक मामलों में खासा महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि 43 वर्षों बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने कुवैत की जमीन पर कदम रखा है। इससे पहले 1981 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने कुवैत का दौरा किया था।

दिल्ली-नोएडा डायरेक्ट फ्लाईवे पर टोल टैक्स बंद, सुप्रीम कोर्ट का फैसला

इलाहाबाद हाई कोर्ट के 2016 के आदेश को चुनौती दी गई थी

नई दिल्ली

दिल्ली-नोएडा डायरेक्ट (डीएनडी) फ्लाईवे पर टोल टैक्स नहीं लगेगा। सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में एक महत्वपूर्ण फैसला दिया है। एक याचिका के आधार पर जिसमें इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ जायजा लिया गया था। याचिका के अनुसार इलाहाबाद हाई कोर्ट के 2016 के आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें फ्लाईवे को टोल फ्री करने का सुझाव दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने नोएडा प्राधिकरण उत्तर प्रदेश और दिल्ली की सरकारों को भी फटकार लगाई, क्योंकि वे अवैध रूप से इस परियोजना को नोएडा टोल ब्रिज कंपनी लिमिटेड (एनटीबीसीएल) को सौंप दिया था। सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां ने कहा कि टोल वसूलने की कोई वजह नहीं है और एनटीबीसीएल को लागत से अधिक धन वसूलने की अनुमति नहीं है। उन्होंने टॉल वसूलने की प्रक्रिया पर सख्त टिप्पणी की और कहा कि एनटीबीसीएल ने जनता की पीड़ा के बदले अनुचित लाभ हासिल किया। सुप्रीम कोर्ट ने भ्रष्टाचार के आरोपों के साथ एनटीबीसीएल के साथ अनुबंध को भी मंजूरी दी, जिसके तहत एनटीबीसीएल ने परियोजना की लागत से कहीं अधिक धन वसूला था। कोर्ट ने कहा कि यह तब तक संभव नहीं था जब तक राज्य सरकारों और नोएडा के अधिकारियों की मिलीभगत न होती, जिन्होंने अनुबंधीय दायित्वों को नजरअंदाज किया। इस नई फैसले के साथ, दिल्ली-नोएडा डायरेक्ट फ्लाईवे को टोल-फ्री घोषित कर दिया गया है, जिससे लोगों को सड़क यातायात में अधिक सुविधा होगी।

सुप्रीम कोर्ट ने भ्रष्टाचार के आरोपों के साथ एनटीबीसीएल के साथ अनुबंध को भी मंजूरी दी, जिसके तहत एनटीबीसीएल ने परियोजना की लागत से कहीं अधिक धन वसूला था। कोर्ट ने कहा कि यह तब तक संभव नहीं था जब तक राज्य सरकारों और नोएडा के अधिकारियों की मिलीभगत न होती, जिन्होंने अनुबंधीय दायित्वों को नजरअंदाज किया।

सीरिया में अहमद अल-शरा का युग शुरू, अमेरिका ने खेला पॉवर गेम

आईएसआईएस सरगना अबू यूसुफ को हवाई हमले में मार गिराया

दमिश्क

बशर अल-असद को सीरिया छोड़े दो हफ्ते गुजर हो चुके हैं। मीडिल ईस्ट देश में रूस का दबदबा खत्म हो चुका है। अमेरिका के समर्थन वाले विद्रोही गुट का सीरिया पर कब्जा हो गया है। सीरिया में अहमद अल-शरा का शासन शुरू हो चुका है। वह अमेरिकी समर्थक बताए जाते हैं। उनके सत्ता में आते ही अमेरिकी सेना ने क्षेत्र में पावर गेम शुरू कर दिया है।

19 दिसंबर को अमेरिकी सेना ने आईएसआईएस सरगना अबू यूसुफ ऊर्फ महमूद को हवाई हमले में मार गिराया। अमेरिकी सेना के सेंट्रल कमांड ने इसकी जानकारी दी। अबू यूसुफ का पूरी दुनिया में कट्टरपंथ, और आपराधिक गतिविधियों में उसका नाम जुड़ा था। अबू यूसुफ एक प्रतिकात्मक नाम था, जो कई आतंकवादी और कट्टरपंथी संगठन के सदस्यों द्वारा किया जाता है। वह संगठन के एक प्रमुख प्रचारक या लड़ाके के रूप में काम करता है, जो आतंकी हमलों की योजना और उन्हें अंजाम देने में शामिल है। भारत में भी अबू यूसुफ नाम 2020 में तब चर्चा में आया, जब दिल्ली पुलिस ने यूपी के बलरामपुर से अबू यूसुफ अल-हिंदी नामक एक संदिग्ध आतंकवादी को गिरफ्तार किया था।

मीडिया रिपोर्ट में अमेरिकी सेना के सेंट्रल कमांड फोर्स ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि 19 दिसंबर को सीरिया के डेयर अज जावर प्रांत में अबू यूसुफ उर्फ महमूद पर हवाई हमला किया, जिसके परिणामस्वरूप अबू यूसुफ सहित दो ऑपरेटिव मारे गए। यह हवाई हमला क्षेत्र में आईएसआईएस के भागीदारों के खिलाफ सेंट्रल कमांड की चल रही प्रतिबद्धता का हिस्सा है। अमेरिकी सेना ने बताया कि आईएसआईएस सीरिया में फिर से सक्रिय हो रहा है। उसका इरादा सीरिया में वर्तमान में बंद आठ हजार से ज्यादा आईएसआईएस आतंकवादियों को वहां से छुड़ाने का है। हम इन सरगना और कार्यकताओं को आक्रामक तरीके से निशाना बनाएंगे, जिनमें सीरिया के बाहर अभियान चलाने की कोशिश करने वाले शामिल हैं। आईएस आतंकवादियों ने 2014 में इराक और सीरिया के कुछ हिस्सों पर कब्जा कर लिया था, सीरिया के गृहयुद्ध का फायदा उठाकर उन्होंने वहां की जमीन पर अपना दावा ठोक था और वहां खुद को खिलाफत घोषित कर दिया था।

नेपाल में आया 4.8 तीव्रता का भूकंप, किसी के हताहत होने की खबर नहीं

काठमांडू,

नेपाल में शनिवार की सुबह 4.8 तीव्रता का भूकंप आया, जिसकी पुष्टि नेशनल सेंटर ऑफ सीस्मोलॉजी (एनसीएस) ने की है। भूकंप का यह झटका भारतीय समय के मुताबिक सुबह तड़के 3:59 बजे आया, जिससे क्षेत्र में हलचल मच गई।

एनसीएस डेटा के मुताबिक भूकंप 10 किलोमीटर की उथली गहराई पर आया, जिसका केंद्र अक्षांश 29.17 एन और देशांतर 81.59 ई पर स्थित था। हालांकि, अभी तक किसी के नुकसान और हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन अधिकारी प्रभावित क्षेत्रों की निगरानी रखे हुए हैं। अधिकारी और आपातकालीन प्रतिक्रिया दल स्थिति का आकलन करने और जरुरत पड़ने पर सहायता प्रदान करने के लिए तैयार अलर्ट पर हैं।

नेपाल में भूकंप आना कोई नई बात नहीं है, यहां के लोगों के लिए यह आम बात है। 17 और 19 दिसंबर को भी यहां भूकंप के झटके आए थे। 19 दिसंबर को नेपाल के पार्शे से 16 किलोमीटर दूरी पर 4.2 और 17 दिसंबर को मेलबिसौनी से 23 किलो किलोमीटर दूरी पर 4.4 तीव्रता से भूकंप आया था। इससे पहले 2023 के नवंबर में ही 6.4 तीव्रता के भूकंप में नेपाल में 150 से ज्यादा लोग मारे गए थे।

वित्तमंत्री फ्रीलैंड के इस्तीफे के बाद ट्रूडो ने किया मंत्रालय में फेरबदल

ओटावा

कनाडा में जस्टिन ट्रूडो सरकार पर संकट के बादल छाए हुए हैं। एक तरफ भारत से रिश्ते खराब चल रहे हैं तो दूसरी ओर अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की नई निर्वाचित सरकार ने भी कनाडा पर टेरिफ बढ़ाने का ऐलान कर दिया है। इसके साथ ही ट्रूडो के वित्तमंत्री ने इस्तीफा दे दिया। अब खबर आ रही है कि ट्रूडो ने मंत्रालय में फेरबदल किया गया है।

पीएम ट्रूडो ने राजधानी ओटावा में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया है। उन्होंने अपने नए मंत्रिमंडल के सदस्यों का स्वागत किया है। सबसे महत्वपूर्ण विभागों में से एक ओंटारियो के सांसद डेविड मैकगिन्टी को कनाडा का सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री बनाया गया है। वह संघीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों की देखरेख करेंगे। नैथेनियल एर्स्किन-स्मिथ, ओन्टारियो के एक दूसरे निर्वाचन क्षेत्र के सांसद हैं उनको कनाडा का नया आवास मंत्री नियुक्त किय है।

बता दें ट्रूडो के मंत्रिमंडल में बदलाव डिप्टी सीएम और वित्त मंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड के इस्तीफा देने के बाद हुआ। फ्रीलैंड अमेरिका के साथ ह्लटैरिफ युद्धह्व से निपटने के तरीके पर ट्रूडो से भीड़ गईं थी। जब सहमति नहीं बनी तो उन्होंने इस्तीफा दे दिया। नवंबर में अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा को चेतावनी दी थी कि यदि वह अमेरिका के साथ सीमा पर अनियमित माइग्रेशन और अवैध दवाओं के भेजने पर रोकने के लिए कठोर कदम नहीं उठाएंगे तो उस पर 25 फीसदी टैरिफ लगा देंगे। ट्रंप की धमकी के बाद कनाडा में इस पर चर्चा हुई। वित्त मंत्री ने ट्रूडो को राजकोषीय घाटे को कम रखने की सलाह दी।

यूएन में पहली बार मनाया गया विश्व ध्यान दिवस, श्री श्री रविशंकर ने बताए लाभ

न्यूयॉर्क,

संयुक्त राष्ट्र में पहली बार विश्व ध्यान दिवस मना। यूएन में भारत के स्थायी मिशन ने 20 दिसंबर को न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में प्रथम विश्व ध्यान दिवस के अवसर पर वैश्विक शांति और सद्भाव के लिए ध्यान का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में यूएन के अध्यक्ष फिलेमोन यांग, अवर महासचिव अतुल खरे और कई अन्य अधिकारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर ने 600 से ज्यादा उत्साही प्रतिभागियों को एक विशेष ध्यान सत्र भी दिया।

यूएन में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पार्वथानेनी हरीश ने कहा कि ध्यान की प्राचीन भारतीय प्रथा के महत्व को व्यक्तिगत पूर्ति और आंतरिक शांति के साधन के रूप में रेखांकित किया, जो वसुधैव कुटुम्बकम-संपूर्ण विश्व एक परिवार है के सभ्यतागत सिद्धांत पर आधारित है। उन्होंने कहा कि विश्व ध्यान दिवस पर संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव में योग और ध्यान के बीच संबंध को स्वास्थ्य और कल्याण के पूरक दृष्टिकोण के रूप में स्वीकार किया है।

यूएन अध्यक्ष यांग ने कहा कि ध्यान लोगों के प्रति करुणा और सम्मान पैदा करता है। इस अवसर पर अवर महासचिव अतुल खरे ने मानसिक स्वास्थ्य और ध्यान के बीच अंतर्निहित संबंध और संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों पर ध्यान के गहन प्रभाव को रेखांकित किया। श्री श्री रविशंकर ने अपने भाषण में ध्यान से जुड़े कई लाभों और आयामों पर प्रकाश डाला।

बता दें कि 6 दिसंबर 2024 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने सर्वसम्मति से 21 दिसंबर को विश्व ध्यान दिवस घोषित करते हुए प्रस्ताव पारित किया था। उक्त प्रस्ताव को सर्वसम्मति से अपनाने में भारत की अहम भूमिका थी। ऐसे समय में प्रस्ताव को अपनाना शांति और समग्र मानव कल्याण को बढ़ावा देने के महत्व को उजागर करता है, जब दुनिया संघर्ष और पीड़ा का सामना कर रही है।

रामायण व महाभारत के अरबी अनुवादक व प्रकाशक से मिले पीएम मोदी

कुवैत सिटी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने ऐतिहासिक दो दिवसीय कुवैत दौरे के दौरान एक खास मुलाकात की। उन्होंने रामायण और महाभारत का अरबी भाषा में अनुवाद करने वाले अब्दुल्ला बैरन और इसे प्रकाशित करने वाले अब्दुल्ला लतीफ अलनेसेफ से भेंट की। प्रधानमंत्री ने इस उल्लेखनीय कार्य के लिए दोनों को बधाई दी और भारतीय संस्कृति के वैश्विक प्रसार में उनके योगदान की सराहना की।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, रामायण और महाभारत केवल ग्रंथ नहीं हैं, वे भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों का आधार हैं। इनका अरबी में अनुवाद करना अरब देशों और भारत के बीच सांस्कृतिक पुल बनाने जैसा महान कार्य है। यहां बताते चलें कि इससे पहले भी प्रधानमंत्री मोदी ने अपने मन की बात कार्यक्रम में भी अब्दुल्ला बैरन और अब्दुल्ला लतीफ अलनेसेफ के इस प्रयास की प्रशंसा की थी। उन्होंने इसे भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक स्तर पर ले जाने की दिशा में एक अहम कदम बताया था।

भव्य स्वागत और अन्य कार्यक्रम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कुवैत पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। उन्होंने कुवैत के अमीर शेख मेशल अल-अहमद अल-जबर अल-सबाह के निमंत्रण पर यह दौरा किया है। पीएम को बयान पैलेस में औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया जाएगा। इसके बाद वह कुवैत के अमीर और क्राउन प्रिंस के साथ अलग-अलग बैठकें करेंगे।

दौरे का महत्व

यह यात्रा खाड़ी देशों के साथ भारत के रणनीतिक और सांस्कृतिक संबंधों को गहरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कुवैत में भारतीय समुदाय के लिए यह दौरा बेहद खास है, जो दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों को मजबूत करता है।

सांस्कृतिक कनेक्शन का प्रतीक

रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्यों का अरबी अनुवाद भारतीय और अरब सभ्यताओं के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान का प्रतीक है।

पीएम मोदी का इन अनुवादकों से मिलना यह दशार्ता है कि भारत अपनी सांस्कृतिक धरोहर को दुनिया के कोने-कोने तक पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती पर राष्ट्रीय लोकदल अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ सहारनपुर द्वारा कई जगह आयोजित किया गया पखवाड़ा कार्यक्रम

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न से सम्मानित स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की जयंती के पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत रामगढ़,रसूलपुर, नदीम कॉलोनी ,एकता कॉलोनी ,हबीबगढ़ में किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता जनपद के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष शमीम अहमद जी ने की तथा संचालन अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ जिला सचिव मो समी ने किया। गोष्ठी को संबोधित करते हुए अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष शमीम अहमद जी ने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल किसानों ,मजदूरों और सर्व समाज की पार्टी है आज हम आपके बीच में आए हैं किसानों और मजदूरों की समस्याएं एवं चौधरी चरण सिंह की नीतियों का प्रचार प्रसार करने के लिए आवाहन करते हैं कि किसान वर्ग के राष्ट्रीय लोकदल से जुड़े और माननीय जयंत चौधरी जी के हाथों को मजबूत करें । और माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष ओर केंद्रीय राज्य मंत्री जयंत चौधरी जी,माननीय प्रदेश अध्यक्ष अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ ओर पूर्व विधायक दिलनवाज खान जी और माननीय क्षेत्रीय अध्यक्ष अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ मारूफ अली जी के आदेश अनुसार 23 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री ओर भारत रत्न माननीय चौधरी चरण सिंह जी की जयंती को जोरो शोरो से सभी अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के पदाधिकारी मिलकर किसान गोष्ठी के रूप में मनाएंगे

इस दौरान अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ जिला उपाध्यक्ष साजिद अली,इमरान सिद्दीकी ,इमरान पहलवान,जिला महासचिव तहसीन सिद्दीकी,जिला सचिव सितारा बेगम,मुन्ना,अजीज,सीमा ,शोएब ,समीना,बिल्किस,हीना,तस्लीम,गुलशन,अर्शी,नसरीन,राजा,मेहरबान,अरशद आदि लोग उपस्थित रहे

आईसीसी ने स्टंप पर लात मारने वाले क्लासेन पर जुमार्ना लगाया

दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन पर आईसीसी आचार संहिता के लेवल एक नियम के उल्लंघन के लिए जुमार्ना लगाया है। क्लासेन पर ये जुमार्ना पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए दूसरे एकदिवसीय में 97 रन पर आउट होने के बाद गुस्से में स्टंप पर लात मारने के लिए लगाया है। आईसीसी ने उनकी मैच फीस का 15 फीसदी जुमार्ना लगाया है। क्लासेन ने इस मैच में शानदार बल्लेबाजी की थी। उन्होंने 74 गेंदों पर 97 रन बनाये , जिससे दक्षिण अफ्रीका की टीम 330 रनों तक पहुंच पायी। क्लासेन ने अंत तक बल्लेबाजी की और 43वें ओवर में आउट होने वाले अंतिम बल्लेबाज रहे। इस मैच में अफ्रीकी टीम को 81 रनों से हार का सामना करना पड़ा। हार गई. आउट होने के बाद निराश हुए क्लासेन ने स्टंप पर लात मारी, जिसके कारण आईसीसी ने उनपर जुमार्ना लगाया। इस मैच में पाकिस्तान की जीत में बाबर आजम और कप्तान मोहम्मद रिजवान के अर्धशतकों की अहम भूमिका रही। इसके अलावा कामरान गुलाम ने भी 32 गेंदों में 63 रन बनाये।

रोहित की बेटी समायरा ने स्कूल के वार्षिक समारोह में किया डांस, वीडियो सामने आया

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा जहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेल रहे हैं। वहीं उनकी बेटी ने स्कूल में सालाना वार्षिक समारोह में शानदार डांस कर सबका ध्यान खींचा है। समायरा धीरूभाई अंबानी इंटरनेशनल स्कूल में पढ़ती है। स्कूल के इस वार्षिक समारोह में समायरा अपनी मम्मी रितिका सजदेह के साथ पहुंची थी। समायरा की स्कूल के कार्यक्रम की एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है, जिसमें वह डांस कर रही हैं। वहीं रितिका दर्शकों के बीच बैठकर इसे देखती नजर आ-ईं। वह इस दौरान तालियां बजाकर बेटी का उत्साह बढ़ाती भी नजर आयीं। समायरा इस माह के अंत में 6 साल की हो जाएगी। दूसरी ओर भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी का चौथा टेस्ट मैच 26 दिसंबर से मेलबर्न क्रिकेट मैदान में खेला जाना है। इस टेस्ट को बॉक्सिंग डे टेस्ट भी कहा जाता है। हालांकि यह सीरीज इस वक्त काफी रोमांचक मोड़ पर खड़ी है। 3 टेस्ट मैच के बाद सीरीज 1-1 की बराबरी पर चल रही है।

विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के लिए भारत ,ऑस्ट्रेलिया, और दक्षिण अफ्रीका में है टक्कर

मुम्बई

अगले साल होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लूयटी) फाइन की रेस में अभी भारत और ऑस्ट्रेलिया, और दक्षिण अफ्रीका की टीमें प्रबल दावेदार बनकर उभरी हैं, वहीं श्रीलंका और पाकिस्तान को जगह मिलना अन्य टीमों के भरोसे रहेगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरे टेस्ट मैच के ड्रॉ रहने से फाइनल की दौड़ और करीबी हो गई है। आठ मैच बाकी हैं और फाइनल के लिए 3 टीमें दौड़ में हैं। इन 5 में से कोई भी टीम अभी तक फाइनल में जगह पक्की नहीं कर पाई है। बची हुई दो टीमें श्रीलंका और पाकिस्तान एक प्रकार से बाहर हैं क्योंकि उनके फाइनल में पहुंचने का समीकरण बेहद कठिन है।

भारत को सीधे फाइनल में पहुंचने दो मैच जीतने होंगे

भारत के लिए सबसे असान रास्ता ये है कि वह बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के बाकी के बचे हुए दोनों मैच जीत जाए जिससे अंक प्रतिशत 60.53 हो जाएगा और टीम बिना किसी अन्य परिणाम पर निर्भर रहे फाइनल में पहुंच जाएगी भारती टीम का जीत प्रतिशत अभी 57.02 है। ऑस्ट्रेलिया को चाहिये 2 जीत और एक ड्रॉ चाहिये

वहीं ऑस्ट्रेलिया को क्वालीफाई करने के लिए 2 जीत और 1 ड्रॉ की जरुरत है। यदि ऑस्ट्रेलिया भारत के अगले दो मुकाबले ड्रॉ होते हैं तों उन्हें श्रीलंका के खिलाफ दो जीत की जरुरत होगी जिससे वे 58.77 पर पहुंचे और ये भारत के 57.02 अंक प्रतिशत से ज्याद हो जाएगा। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका को पाकिस्तान से कम से कम 1-0 से हारना होगा। यदि ऑस्ट्रेलिया मेलबर्न और सिडनी में ये 2 टेस्ट जीतता है, तो वह अन्य परिणामों की परवाह किए बिना क्वालीफ ाई कर लेगा।

दक्षिण अफ्रीका को जीतना होगा एक मैच

दक्षिण अफ्रीका को फाइनल के लिए क्वालीफाई करने के लिए पाकिस्तान के खिलाफ अपने दो टेस्ट में से एक जीतना होगा पर अगर वह सीरीज 0-1 से हार जाता है तो ऑस्ट्रेलिया और भारत दोनों ही उससे आगे निकल सकते हैं।

अपने कौशल को निखारकर ही इतने बेहतर गेंदबाज बने अश्विन : शास्त्री

मेलबर्न

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा कि अपने कौशल को निखारकर ही अश्विन इतने सफल और बेहतर गेंदबाज बने । अश्विन ने कभी ये नहीं देखा कि कौन बल्लेबाजी कर रहा है बल्कि उनका ध्यान अपने प्रदर्शन पर रहता आया है। 38 वर्ष के अश्विन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट के बाद अचानक ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया है। शास्त्री ने कहा, ह्यमुझे जो बात प्रभावित करती है , वह लगातार खुद को निखारने की उसकी ललक। वह अपने प्रदर्शन से कभी संतुष्ट नहीं होता। पिछले दो तीन साल में जिस तरह से उसने गेंदबाजी की है और अपने कौशल को निखारा है, वह अलग नजर आया है।

इस पूर्व कोच ने कहा कि अपने खेल के विकास की प्रक्रिया में अश्विन ने नयी गेंदों और अपने एक्शन पर लगातार काम किया। शास्त्री ने कहा, ह्यवह लगातार नई चीजें सीखना चाहता था और उसने इस पर काफी काम भी किया। उसने हमेशा अपने में समय के साथ बदलाव किये। वह मैच विजेता रहा है और 537 टेस्ट विकेट ये साबित करते हैं। टेस्ट क्रिकेट में 500 से अधिक विकेट लेना विशेष उपलब्धि है। वेस्टइंडीज के खिलाफ 2011 में पदार्पण करने वाले अश्विन ने कुल 765 विकेट लिये जिनमें 537 टेस्ट विकेट थे। शास्त्री ने कहा, ह्यपिछले चार 5 साल में अश्विन और रविंद्र जडेजा ने मिलकर बेहतरीन स्पिन जोड़ी बनाई। दोनों एक दूसरे के पूरक रहे। मैं यह कहूंगा कि पिछले 5-6 साल में जडेजा के विकेटों में अश्विन का और अश्विन के विकेटों में जडेजा का बड़ा योगदान रहा। उन्होंने कहा, ह्यबाएं हाथ के और दाहिने हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ अश्विन का रिकॉर्ड एक सा रहा है जो उसके कौशल का सबूत है।

19 साल के कोंस्टास के पास रिकार्ड बनाने का अवसर

मेलबर्न

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चौथे टेस्ट मैच में 19 साल के युवा बल्लेबाज सैम कोंस्टास अगर पदार्पण करते हैं तो वह एक रिकार्ड अपने नाम करेंगे। कोंस्टास पिछले 70 साल में ऑस्ट्रेलिया के सबसे युवा टेस्ट बल्लेबाज होंगे। इससे पहले साल 1952 में इयान क्रेग ने 17 साल 239 दिन की उम्र में डेब्यू किया था। ऑस्ट्रेलिया ने कोंस्टास को बचे हुए दो टेस्ट मैचों के लिए टीम में शामिल किया है। कोंस्टास ने न्यू साउथवेल्स के लिए शेफील्ड शील्ड के दो मैचों में शतक जमाया। भारत ए के खिलाफ एमसीजी पर मैच में उन्होंने नाबाद 73 रन बनाए जबकि कैनबरा में भारत के खिलाफ प्रधानमंत्री एकादश के लिए गुलाबी गेंद के मैच में 107 रन की पारी खेली।

ऑस्ट्रेलिया के मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा, ह्यसैम को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। उसकी बल्लेबाजी की शैली अलग है। हमें विश्वास है कि नाथन के पास काबिलियत है और उसे भविष्य में टेस्ट क्रिकेट में औंर मौके मिलेंगे। उसे बाहर रखने का फैसला कठिन था।

कोंस्टास ने इस साल की शुरूआत में दक्षिण अफ्रीका में अंडर-19 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने के बाद सीनियर क्रिकेट में अच्छी शुरूआत की है। उन्होंने दक्षिणी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ न्यू साउथ वेल्स के शेफील्ड शील्ड के पहले मैच में 152 और 105 रन बनाए थे। इसके बाद एमसीजी में ऑस्ट्रेलिया ए की आरे से भारत ए के खिलाफ नाबाद 73 रन बनाए थे।

पंजाबी एक्ट्रेस का नया म्यूज़िक वीडियो जाना है ते जा रिलीज

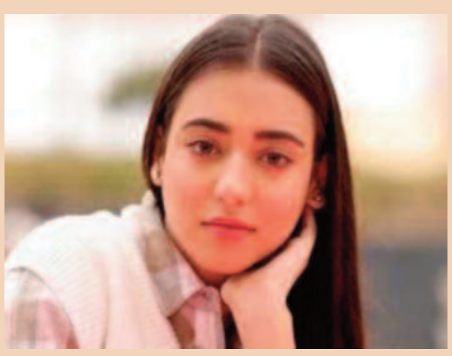

मुंबई

पंजाबी अभिनेत्री निकीत ढिल्लों का नया म्यूज़िक वीडियो ह्यजाना है ते जाह्ल रिलीज हो गया है। निकीत, जो जट्ट ब्रदर्स, सिकंदर 2 और यार अनमुल्ले रिटर्न्स जैसी फिल्मों में अपने काम के लिए जानी जाती हैं, इस गाने को लेकर काफी उत्साहित हैं। इस गाने में उनके साथ मशहूर पंजाबी गायक हैप्पी रायकोटी नजर आ रहे हैं।

मैंने सोचा कि लंबे समय से म्यूज़िक एल्बम नहीं किया है, तो यह एक शानदार मौका होगा। अगले ही दिन हमने शूटिंग शुरू कर दी ।हालांकि, गाने की शूटिंग के दौरान एक मजेदार घटना हुई, जिसने निकीत को पूरी तरह से चौंका दिया। उन्होंने बताया, मुझे जो गाना भेजा गया था, वह एक रोमांटिक गाना लग रहा था।

निकीत ने बताया कि यह प्रोजेक्ट उनके लिए एक सरप्राइज की तरह आया। उन्होंने कहा, मैं चंडीगढ़ में छुट्टियां मना रही थी, जब मेरे प्रोड्यूसर दोस्त ने मुझे बताया कि हैप्पी रायकोटी के साथ एक गाने के लिए वह मुझे कास्ट करना चाहते हैं। मैंने सोचा कि लंबे समय से म्यूज़िक एल्बम नहीं किया है, तो यह एक शानदार मौका होगा। अगले ही दिन हमने शूटिंग शुरू कर दी ।हालांकि, गाने की शूटिंग के दौरान एक मजेदार घटना हुई, जिसने निकीत को पूरी तरह से चौंका दिया। उन्होंने बताया, मुझे जो गाना भेजा गया था, वह एक रोमांटिक गाना लग रहा था। मैंने इसे दस बार सुना और उसी के मुताबिक तैयारी की। लेकिन शूटिंग के दौरान मुझे वेस्टर्न आउटफिट पहनाया गया, जो मुझे थोड़ा अजीब लगा। गाने के दृश्य भी रोमांटिक के बजाय कुछ और कहानी बयान कर रहे थे। निकीत ने निर्देशक से सवाल किया कि अगर यह रोमांटिक गाना है, तो इसमें झगड़े और अलग होने के दृश्य क्यों हैं। तब उन्हें पता चला कि यह वास्तव में एक सैड सॉन्ग है, जिसका नाम जाना है ते जा है। निकीत ने हंसते हुए कहा, मुझे एहसास हुआ कि प्रोडक्शन हाउस ने गलती से मुझे दूसरा गाना भेज दिया था। फिर भी, उन्होंने शूटिंग पूरी की और अंतिम शॉट तक सही गाने को सुना ही नहीं। निकीत ने कहा कि यह अनुभव उनके लिए यादगार रहा और वह इस गाने का हिस्सा बनकर बहुत खुश हैं। निकीत ढिल्लों 2023 में मिस इंडिया हिमाचल प्रदेश का ताज पहन चुकी हैं। 2025 में वह एक बड़े प्रोजेक्ट की घोषणा करने वाली हैं,

बेबी जॉन रीमेक नहीं, बल्कि एक एडेप्टेशन है: वरुण धवन

मुंबई

क्रिसमस के मौके पर यानि 25 दिसंबर को फिल्म बेबी जॉन सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म में अभिनेता वरुण धवन प्रमुख भूमिका में है। कील्स द्वारा निर्देशित और एटली कुमार द्वारा सह-निर्मित इस फिल्म को लेकर फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह है।

हालांकि, फिल्म को थलापति विजय की 2016 में रिलीज हुई तमिल फिल्म थेरी का रीमेक बताया जा रहा था। इन अटकलों पर अब वरुण धवन ने खुलकर अपनी बात रखी है। वरुण धवन ने बेबी जॉन को थेरी का रीमेक बताए जाने के दावों को खारिज करते हुए कहा कि यह फिल्म रीमेक नहीं, बल्कि एक एडेप्टेशन है। एक इंटरव्यू में वरुण ने कहा, ह्लबेबी जॉन सीन-दर-सीन रीमेक नहीं है। एटली स्क्रिप्ट लेकर आए थे और उन्होंने कहा कि फिल्म की भूगोल के कारण बहुत सारे बदलाव करना जरूरी था। यह फिल्म प्रेरित जरूर है, लेकिन पूरी तरह से अलग कहानी पेश करती है। जो लोग थेरी के किताब-दर-किताब रीमेक की उम्मीद कर रहे हैं, वे निराश

हो सकते हैं।ह्व फिल्म में वरुण धवन सत्या वर्मा की भूमिका में नजर आएंगे, जो एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी हैं। सत्या एक व्यक्तिगत त्रासदी के बाद अपनी मौत का नाटक करता है और अपनी बेटी खुशी की परवरिश के लिए अंडरग्राउंड हो जाता है। फिल्म में वामिका गब्बी और कीर्ति सुरेश भी अहम भूमिकाओं में हैं।

फिल्म का संगीत थमन एस ने तैयार किया है, और यह वरुण धवन के करियर की 18वीं फिल्म है। इसका ओरिजनल टाइटल वीडी18 रखा गया था, जिसे बाद में बदलकर बेबी जॉन कर दिया गया।

वरुण ने आगे कहा, ह्लफिल्म को एडाप्ट करते समय कहानी के बहुत सारे फ्रेम और एंगल बदले गए हैं। यह कुछ अलग और नया पेश करने का प्रयास है। हमें इस तथ्य को स्वीकार करना चाहिए कि यह फिल्म थेरी से प्रेरित है, लेकिन हमने इसे एक नई दृष्टि दी है।

बेटी आराध्या के स्कूल फंक्शन में दिखा बच्चन परिवार का मजबूत बंधन

मुंबई

लंबे समय से अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय की शादीशुदा जिंदगी में तनाव और तलाक की खबरों से बी-टाउन में चचाओं का माहौल गरमाया हुआ था। सोशल मीडिया पर अफवाहें तेज थीं कि दोनों के रिश्ते में दरार आ गई है। हालांकि, बच्चन परिवार ने कभी इन खबरों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। इन अटकलों को अमिताभ बच्चन के रहस्यमयी सोशल मीडिया पोस्ट्स ने और हवा दी। लेकिन हाल ही में बच्चन परिवार के साथ नजर आने से इन सभी अफवाहों पर विराम लग गया।

अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय अपनी बेटी आराध्या के स्कूल के फंक्शन में एक साथ पहुंचे। इस दौरान अभिषेक का पत्नी ऐश्वर्या के प्रति देखभाल भरा व्यवहार और उनका मजबूत रिश्ता लोगों का ध्यान खींच गया। फंक्शन में अभिषेक ऐश्वर्या को पूरी तरह प्रोटेक्ट करते हुए नजर आए। उन्होंने ऐश्वर्या को वेन्यू तक गाइड करते हुए उनकी कमर पर हाथ रखा हुआ था, जो उनके रिश्ते की मजबूती को दशार्ता है।

इवेंट में अमिताभ बच्चन भी शामिल हुए।

तीनों ने साथ मिलकर बेटी आराध्या का हौंसला बढ़ाया। ऐश्वर्या राय ब्लैक कलर के सूट और फ्लॉवर प्रिंटेड दुपट्टे में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। अपने लुक को उन्होंने रेड लिप्स्टिक से पूरा किया। वहीं, अभिषेक को कैजुअल ब्लैक हुडी में देखा गया, जबकि अमिताभ बच्चन ग्रे जैकेट में हमेशा की तरह स्टाइलिश नजर आए। सोशल मीडिया पर इस इवेंट की तस्वीरें और वीडियो वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में ऐश्वर्या राय को ससुर अमिताभ बच्चन से बातचीत करते और हंसी-मजाक करते हुए देखा गया। ऐसा लग रहा था कि दोनों काफी समय बाद एक-दूसरे से मिल रहे हैं। वहीं, कुछ तस्वीरों में अभिषेक और ऐश्वर्या के बीच का प्यार और सामंजस्य साफ झलक रहा था।

फैंस ने अभिषेक के इस जेस्चर की जमकर तारीफ की और परिवार को खुश देखकर अपनी खुशी जाहिर की। बच्चन परिवार की यह सार्वजनिक उपस्थिति न केवल उनके रिश्ते की मजबूती को दशार्ती है, बल्कि उन अफवाहों को भी खारिज करती है जो उनके निजी जीवन को लेकर फैली हुई थीं। इस इवेंट ने साबित कर दिया कि बच्चन परिवार में सब कुछ ठीक है और उनका बंधन अटूट है।

विशेष सूचना

आज से समाचार पत्रा में वही संवाददाता वैध्र रहेंगे जिनके नाम प्रेस लाईन के ऊपर बने बॉक्स में दशार्ये गये हैं।

समाचार व विज्ञापनों के लिए सम्पर्क करें।

सारिका
डेक्स एडिटर
7500992656

नाथीराम कश्यप
विशेष संवाददाता, लक्सर
9411119095

शादाब अली
देहरादून
मो. 9897139325

शमशाद अहमद

सभी राज्यों में, जिला, तहसील व ब्लॉक, स्तर पर प्रभारी व रिपोर्टर पद हेतू कार्य करने के इच्छुक युवक/युवतियां सम्पर्क करें।

अमित कुमार मंगोलिया
सम्पादक
प्रधन कार्यालय
मिशन नेशनल न्यूज, पुल जटवाड़ा, घास मण्डी, ज्वालापुर, हरिद्वार
मो. 9219141431
किसी भी तरह के विवाद का निपटारा हरिद्वार न्यायालय में होगा

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक अमित कुमार ने जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार ;उत्तराखण्ड से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालय: घास मण्डी, वाल्मीकि बस्ती, ज्वालापुर, हरिद्वार पिन 249407 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। किसी भी तरह के विवाद का निपटारा हरिद्वार न्यायालय में होगा सम्पादक: अमित कुमार